Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-16, अंक-19 01-15 अक्टूबर, 2021 (पाक्षिक) ₹20

भाजपा का मूल मंत्र है–
'सेवा ही संगठन'

'उत्तर प्रदेश डबल इंजन सरकार के दोहरे लाभ का एक बहुत बड़ा उदाहरण बन रहा है'

समाज सुधारक की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

पीएलआई – 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक बड़ी पहल

भारतीय टीकाकरण अभियान ने बनाए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर दीप प्रज्ज्वलित कर 'सेवा और समर्पण अभियान' का शुभारंभ करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में अनुसूचित जाति मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को वर्चुअल रूप से संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान' की भारी सफलता के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

निर्मल (तेलंगाना) ज़िले में 'तेलंगाना विमोचन दिवस' के अवसर पर जनाभिवादन स्वीकार करते केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह

बाड़मेर (राजस्थान) के पास एनएच-925ए पर सट्टा-गंधव खंड पर भारतीय वायुसेना के लिए आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का शुभारंभ करते रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 प्रधानमंत्री ने अलीगढ़ में रखी राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की आधारशिला

गत 14 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। श्री मोदी उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के अलीगढ़ नोड तथा राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय के...

08 'भाजपा का मूल मंत्र है–'सेवा ही संगठन' - जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर, 2021 को 'सेवा और समर्पण'...

10 'हमें यूथ से लेकर बूथ तक को पार्टी के चुनाव अभियान में जोड़ना है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 सितंबर...

19 ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग का आदर्श वाक्य 'विश्वसनीयता और नवोन्मेष के साथ फिर से सतत निर्माण': नरेन्द्र मोदी

गत नौ सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से 13वें ब्रिक्स शिखर...

26 भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के नए मुख्यमंत्री के रूप में ली शपथ

श्री भूपेंद्र पटेल ने 13 सितंबर को गुजरात के नए मुख्यमंत्री के रूप में गांधीनगर स्थित राजभवन में शपथ ली। श्री पटेल (59) को...

वैचारिकी

लोकतांत्रिक राष्ट्रवादी, लोकतांत्रिक समाजवादी और राष्ट्रवादी समाजवादी / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 15

श्रद्धांजलि

त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति 'राजमाता' विजया राजे सिंधिया 17

लेख

समाज सुधारक की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीवन का कण-कण देश को समर्पित / **जगत प्रकाश नड्डा** 20

भारत के लिए वरदान हैं नरेन्द्र मोदीजी / **डॉ. रमन सिंह** 21

झारखंड को योजनाओं का लांचिंग पैड बनाने वाले कर्मयोगी / **रघुवर दास** 23

एक दूरदर्शी नेतृत्वः नरेन्द्र मोदी / **शिव प्रकाश** 24

पीएलआईः 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक बड़ी पहल / **विकास आनन्द** 28

भारतीय टीकाकरण अभियान ने बनाए कई रिकॉर्ड / **विपुल शर्मा** 30

अन्य

कार्यकर्ता बूथ को मजबूत करने के अभियान से जुड़ेंः अमित शाह 11

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने टेलीकॉम सेक्टर में बड़े सुधारों को दी मंजूरी 12

उज्ज्वला योजनाः लगभग नौ करोड़ घरों में गैस सिलिंडर पहुंच गए 13

शांति व सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के मूल में बढ़ती कट्टरता हैः नरेन्द्र मोदी 18

गोवा के स्वास्थ्यकर्मियों और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लाभार्थियों के साथ बातचीत 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

केंद्र सरकार का निरंतर प्रयास है कि छोटी जोत वाले किसानों को ताकत दी जाए। डेढ़ गुना एमएसपी हो, किसान क्रेडिट कार्ड का विस्तार हो, बीमा योजना में सुधार हो, 3 हजार रुपये की पेंशन की व्यवस्था हो, ऐसे अनेक फैसले छोटे किसानों को सशक्त कर रहे हैं।

जगत प्रकाश नड्डा

मेरा शुरू से ही मानना रहा है कि देश का विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक समाज के सभी वर्गों का योगदान उसमें समायोजित न हो। भाजपा ने वैचारिक, सामाजिक एवं विकास की दृष्टि से गरीबों, दलितों, शोषितों और वंचितों को आगे बढ़ने की नीति पर कार्य किया है।

अमित शाह

पिछले 7 साल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन किए हैं। पहले की सरकारों ने 2009-10 में कृषि के लिए सिर्फ 12000 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया, वहीं मोदी सरकार ने 2020-21 में इस बजट को बढ़ाकर 1.34 लाख करोड़ रुपये करने का काम किया।

राजनाथ सिंह

हिंदी दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। हिंदी भारत ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे अधिक लोकप्रिय भाषाओं में से एक है। हिंदी एक भाषा के रूप में भारतवासियों के बीच सेतु का भी काम करती है। इसका प्रचार-प्रसार करना और अधिकाधिक उपयोग करना सभी हिंदीसेवियों का दायित्व बनता है।

बी.एल. संतोष

पूरी टूलकिट टीम आज खामोश है। राज्य प्रभारी हरीश रावत के 'आने वाले विधानसभा चुनावों में सिद्धू चेहरा होंगे' वाले बयान के बाद 'दलित सीएम' का तर्क बेमानी हो गया है। कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए दलित केवल एक रणनीति है, भावना नहीं।

नितिन गडकरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज से तीन साल पहले 'आयुष्मान भारत' की शुरुआत हुई थी। इस दौरान विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य योजना से करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं। 'आयुष्मान भारत दिवस' के मौके पर इस कार्यक्रम के लाभार्थी और इसके क्रियान्वयन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं।

संपादकीय

विश्व का सबसे विशाल व तीव्र कोविड-19 टीकाकरण

जन-जन के हृदय में बसने वाले विश्व के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर, 2021 को देश ने एक विश्व रिकार्ड बनाया। जहां भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं ने इस दिन 'सेवा ही समर्पण' अभियान के अंतर्गत स्वयं को सेवा कार्यों में समर्पित किया, वहीं समस्त देश ने अपने प्रिय नेता को एक ही दिन में 2.5 करोड़ कोविड-19 टीका लगाने का अनुपम उपहार दिया। आज विश्व भारत की ओर अचंभे से देख रहा है। देश विश्व के सबसे विशाल एवं सबसे तेज टीकाकरण अभियान में एक के बाद एक, कई रिकार्ड बना रहा है। वास्तव में एक दिन में एक करोड़ टीके का रिकॉर्ड देश कई बार बना चुका है। यह न केवल संपूर्ण राष्ट्र की एकजुट शक्ति को दर्शाता है, बल्कि जन-जन की दृढ़ संकल्प शक्ति का भी द्योतक है जिससे सारा देश बड़ी मजबूती से इस वैश्विक महामारी का सामना कर रहा है। देश के चिकित्सकों, नर्सों, चिकित्सकीय सहयोगीगण, लैब तकनीशियनों, फार्मा क्षेत्र, स्वास्थ्यकर्मियों एवं कोरोना योद्धाओं के समर्पण एवं सेवा-भाव के कारण आज भारत ने विश्व के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं।

कोविड-19 महामारी के इस कठिन दौर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने कई मील के पत्थर पार किए हैं एवं अनेक उपलब्धियां अपने नाम किए हैं। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का निरंतर प्रयास एवं देश की मेधा पर अटूट विश्वास का ही परिणाम है कि भारत ने एक नहीं दो-दो कोविड-19 टीकों के निर्माण में सफलता प्राप्त की है। भारतीय वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं एवं प्रतिभा पर भरोसा जताकर निरंतर उत्साह बढ़ाकर दो 'मेड इन इंडिया' टीकों का निर्माण न केवल भारत के लिए वरन् पूरी मानवता के लिए वरदान साबित हो रहा है। यह इन 'मेड इन इंडिया' टीकों के भारी उत्पादन का ही परिणाम है कि आज विश्व का सबसे विशाल एवं तेज टीकाकरण अभियान द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है और अब लगता है कि अपनी तय समय-सीमा से पूर्व ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। अब जबकि टीकों की उपलब्धता हर दिन बढ़ती जा रही है, मोदी सरकार ने अन्य जरूरतमंद देशों को इसके निर्यात की मंजूरी देकर विश्व-कल्याण के अपने दायित्वों का निर्वहन किया है।

जहां भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर 'सेवा ही समर्पण' अभियान के अंतर्गत स्वयं को सेवा कार्यों में समर्पित किया, वहीं समस्त देश ने अपने प्रिय नेता को एक ही दिन में 2.5 करोड़ कोविड-19 टीका लगाने का अनुपम उपहार दिया

भारत ने न केवल विश्व के सबसे विशाल एवं सबसे तेज टीकाकरण अभियान के दौरान अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं, बल्कि भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में महामारी के असर को न्यूनतम रखने में भारी सफलता प्राप्त की है। जहां भारत ने इस वैश्विक महामारी के रोकथाम तथा संक्रमितों के उपचार के विभिन्न मानदंडों पर अन्य देशों की तुलना में अत्यधिक नियंत्रण एवं उत्तरोत्तर सुधार दर्ज किया है, वहीं महामारी की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारी स्वास्थ्य अवसंरचना के निर्माण, ऑक्सीजन प्लांट लगाने तथा प्राणरक्षक दवाइयां एवं चिकित्सकीय उपकरणों के निर्माण का व्यापक कार्य किया। देश में सबके लिए निःशुल्क टीकों के साथ-साथ 80 करोड़ जनता का निःशुल्क राशन तथा महामारी के दौर में कमजोर एवं गरीब वर्गों को व्यापक राहत मोदी सरकार के समाज के प्रति अटूट समर्पण का अप्रतिम उदाहरण हैं।

आज जबकि महामारी का प्रभाव कम होता दिख रहा है, भारतीय अर्थव्यवस्था पहले से भी अधिक गति एवं ऊर्जा से छलांग लगा रही है। आज यदि अर्थव्यवस्था दहाई आंकड़ों के विकास दर की राह पर है तब इसका श्रेय पूर्णतः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर शुरू हुए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को जाता है। यदि 'अन्नदाताओं' ने अपनी कड़ी मेहनत से महामारी के दौर में खाद्यान्नों के रिकार्ड उत्पादन से देश का मान बढ़ाया है, तब मोदी सरकार का किसानों की आय दुगुनी करने के प्रतिबद्धता को एमएसपी की बढ़ी दरों एवं व्यापक खाद्यान्न खरीदी में देखा जा सकता है। एक ओर जब भारतीय अर्थव्यवस्था तेज गति से वापस पटरी पर आ रही है, पूरा विश्व भारत की ओर आशा एवं अपेक्षा की नजर से देख रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि महामारी के इस कठिन दौर में भारत अपनी दृढ़ संकल्पशक्ति से पूरे विश्व में रोशनी बिखेर रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

प्रधानमंत्री ने अलीगढ़ में रखी राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की आधारशिला

भारत शिक्षा और कौशल विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है: नरेन्द्र मोदी

गत 14 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। श्री मोदी उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के अलीगढ़ नोड तथा राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय के प्रदर्शनी मॉडल को भी देखने गए।

इस कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री ने दिवंगत कल्याण सिंह जी को याद किया। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में अलीगढ़ के उभरते महत्व और अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना देखकर कल्याण सिंह जी को बहुत खुशी होती।

श्री मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि ऐसी कितनी महान हस्तियों ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, लेकिन यह देश का दुर्भाग्य था कि आजादी के बाद देश की आने वाली पीढ़ियों को ऐसे राष्ट्रीय नायकों और राष्ट्रीय नायिकाओं के बलिदान से अवगत नहीं कराया गया। श्री मोदी ने अफ़सोस जताते हुए कहा कि देश की कई पीढ़ियां, उनकी कहानियों को जानने से वंचित रहीं। उन्होंने कहा कि आज 21वीं सदी का भारत 20वीं सदी की इन गलतियों को सुधार रहा है।

श्री मोदी ने राजा महेंद्र प्रताप सिंह जी को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि राजा महेंद्र प्रताप सिंह जी के जीवन से हमें अदम्य इच्छाशक्ति, अपने सपनों को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जाने की इच्छा रखने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि राजा महेंद्र प्रताप सिंह जी भारत की आजादी चाहते थे और अपने जीवन का एक-एक पल उन्होंने इसी के लिए समर्पित कर दिया था।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह जी भारत की आजादी चाहते थे और अपने जीवन का एक-एक पल उन्होंने इसी के लिए समर्पित कर दिया था

श्री मोदी ने कहा कि आज जब आजादी का अमृत महोत्सव के समय भारत शिक्षा और कौशल विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है तो मां भारती के इस योग्य सपूत के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना ही उनके लिए वास्तविक 'कार्यांजलि' है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्वविद्यालय न केवल उच्च शिक्षा का एक बड़ा केंद्र बनेगा,

बल्कि आधुनिक रक्षा अध्ययन, रक्षा निर्माण से संबंधित प्रौद्योगिकी और कार्यबल विकास के केंद्र के रूप में भी उभरेगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की, स्थानीय भाषा में कौशल और शिक्षा की विशेषताओं से इस विश्वविद्यालय को बहुत लाभ होगा।

श्री मोदी ने कहा कि आज देश ही नहीं दुनिया भी देख रही है कि आधुनिक ग्रेनेड और राइफल से लेकर लड़ाकू विमान, ड्रोन, युद्धपोत तक भारत में ही निर्मित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के बड़े रक्षा आयातक की छवि को खत्म करने की कोशिश कर रहा है और दुनिया के एक महत्वपूर्ण रक्षा निर्यातक की नई पहचान हासिल कर रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश इस परिवर्तन का एक बड़ा केंद्र बनता जा रहा है और उत्तर प्रदेश से सांसद होने के नाते उन्होंने इस पर गर्व किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ दर्जन रक्षा निर्माण कंपनियां सैकड़ों करोड़ रुपये के निवेश से हजारों नौकरियों का सृजन करेंगी। डिफेंस गलियारे के अलीगढ़ नोड में छोटे हथियारों, आयुधों, ड्रोन और एयरोस्पेस से संबंधित उत्पादों के निर्माण में मदद करने के लिए नए उद्योगों की स्थापना हो रही है। इससे अलीगढ़ और आसपास के इलाकों को नई पहचान मिलेगी।

श्री मोदी ने कहा कि अलीगढ़, जो अपने प्रसिद्ध ताले से घरों और दुकानों की रक्षा के लिए जाना जाता था, अब देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले उत्पादों के निर्माण के लिए भी जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए नए अवसर पैदा होंगे।

उत्तर प्रदेश हर छोटे-बड़े निवेशक के लिए आकर्षक स्थान

श्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि आज उत्तर प्रदेश देश और दुनिया के हर छोटे-बड़े निवेशक के लिए बहुत आकर्षक स्थान बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह तब होता है जब निवेश के लिए जरूरी माहौल बनता है, जरूरी सुविधाएं मिलती हैं। आज उत्तर प्रदेश, डबल इंजन सरकार के दोहरे लाभ का एक बहुत बड़ा उदाहरण बन रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि उन्हें आज यह देखकर बहुत खुशी होती है कि जिस उत्तर प्रदेश को देश के विकास में एक रुकावट के रूप में देखा जाता था, वही उत्तर प्रदेश आज देश के बड़े अभियानों का नेतृत्व कर रहा है। श्री मोदी ने 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग भूल नहीं सकते कि पहले यहां किस तरह के घोटाले होते थे, किस तरह राज-काज को भ्रष्टाचारियों के हवाले कर दिया गया था।

आज योगीजी की सरकार पूरी ईमानदारी से राज्य के विकास में जुटी हुई है। एक दौर था जब यहां शासन-प्रशासन, गुंडों और माफियाओं की मनमानी से चलता था, लेकिन अब वसूली करने वाले, माफियाराज चलाने वाले सलाखों के पीछे हैं

उन्होंने कहा कि आज योगीजी की सरकार पूरी ईमानदारी से राज्य के विकास में जुटी हुई है। एक दौर था जब यहां शासन-प्रशासन, गुंडों और माफियाओं की मनमानी से चलता था, लेकिन अब वसूली करने वाले, माफियाराज चलाने वाले सलाखों के पीछे हैं।

श्री मोदी ने महामारी के दौरान सबसे कमजोर वर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने से जुड़े उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला और जिस तरह से महामारी के दौरान कमजोर और गरीब वर्गों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया, उसकी प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार का निरंतर प्रयास है कि छोटी जोत वाले किसानों को ताकत दी जाए।

उन्होंने कहा कि चाहे डेढ़ गुना एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) हो, किसान क्रेडिट कार्ड का विस्तार हो, बीमा योजना में सुधार हो, तीन हजार रुपए की पेंशन की व्यवस्था हो, ऐसे अनेक फैसले छोटे किसानों को सशक्त कर रहे हैं। श्री मोदी ने यह भी बताया कि राज्य के गन्ना किसानों को एक लाख 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों को पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा बढ़ने से फायदा होगा। ■

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर 'सेवा और समर्पण अभियान' का शुभारंभ

भाजपा का मूल मंत्र है– 'सेवा ही संगठन'

- जगत प्रकाश नड्डा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर, 2021 को 'सेवा और समर्पण' अभियान की शुरुआत करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री एवं दुनिया के सबसे लोकप्रिय जननेता श्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिवस है। देश के लिए और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में, यह हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि हमें एक ऐसे व्यक्तित्व का मार्गदर्शन मिल रहा है, जो भारतवर्ष की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और संवारने के साथ-साथ आम जन के जीवन को सुखमय बनाने और राष्ट्र को सुरक्षित एवं समृद्ध बनाने के लिए समर्पित हैं।

श्री नड्डा ने कहा कि मैं ऐसे दूरदर्शी और देश के अंतिम व्यक्ति के कल्याण के प्रति समर्पित रहने वाले हमारे प्रधानमंत्रीजी को उनके जन्म दिवस पर मैं अपनी ओर से और करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से कोटि-कोटि बधाई देता हूं और उनका अभिनंदन करता हूं। भारतीय जनता पार्टी हमेशा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाती आई है। उनके नेतृत्व में भाजपा का मूल मंत्र बना है– सेवा ही संगठन। मुझे इस बात की हार्दिक प्रसन्नता है कि आज भारतीय जनता पार्टी परिवार प्रधानमंत्रीजी के जन्मदिन पर 'सेवा और समर्पण' अभियान की शुरुआत कर रहा है।

> **भारतीय जनता पार्टी हमेशा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाती आई है। उनके नेतृत्व में भाजपा का मूल मंत्र बना है– सेवा ही संगठन। आज भारतीय जनता पार्टी परिवार प्रधानमंत्रीजी के जन्मदिन पर 'सेवा और समर्पण' अभियान की शुरुआत कर रहा है**

उन्होंने कहा कि जनसेवा से अधिक संतोषजनक और कोई कार्य नहीं हो सकता। आज हमारे कार्यकर्ता देश के कोने-कोने में कोविड वैक्सीनेशन अभियान को गति देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कई जगह ब्लड डोनेशन के कैंप्स और मेडिकल कैंप्स लगाए गए हैं, स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है, गरीबों में मुफ्त अनाज वितरित किया जा रहा है और जरूरतमंदों को हर तरह की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्रीजी का हमेशा से यह मानना रहा है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मिलना चाहिए। बाल्यकाल से लेकर आज तक उन्होंने अपने बारे में नहीं बल्कि गरीबों, वंचितों, पीड़ितों और शोषितों के कल्याण के बारे में सोचा है, राष्ट्र के उत्थान के बारे में सोचा है। एक अत्यंत सामान्य परिवार में पैदा होने के बाद भी उनके मन में गरीबों के लिए काम करने और उनके जीवन-स्तर में बदलाव लाने की भावना बचपन से ही दृढ़ रही है। उनकी यही दृढ़ता उनकी नीतियों में, योजनाओं में स्पष्ट दिखाई देती है। इसलिए उनकी हर नीति के केंद्रबिंदु में देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित और वंचित ही हैं। एक निर्वाचित प्रमुख के तौर पर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लगभग 20 वर्षों का लंबा और अविरल कार्यकाल 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के प्रति समर्पित रहा है। 'सबके प्रयास' को साथ लेकर जन-भागीदारी की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने बहुत से ऐसे कार्य किये, जिसके बारे में किसी ने कभी सोचा भी नहीं था कि ये पूरा भी हो सकता है।

श्री नड्डा ने कहा कि धारा 370 का धाराशायी होना, ट्रिपल तलाक पर बैन, अयोध्या में भगवान् श्री राम के भव्य मंदिर का मार्ग प्रशस्त होना, आतंकवाद पर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक, वन रैंक-वन पेंशन लागू करना, देश के 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत का लाभ देना, हर गांव-हर घर में बिजली पहुंचाना, मुफ्त में गैस कनेक्शन उपलब्ध कराना, देश के 10 करोड़ से अधिक किसानों को छह-छह हजार रुपये की वार्षिक सहायता उपलब्ध कराना, देश के 80 करोड़ लोगों को कोविड संक्रमण में और उसके बाद मुफ्त अनाज उपलब्ध कराना, स्वामीनाथन कमिटी की सिफारिशों को लागू करना, हर गरीब को घर देना और हर घर में पानी, बिजली, गैस और शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित करना- ऐसे न जाने कितने कार्य हैं जो पिछले सात सालों में उनके अथक परिश्रम से ही संभव हुए हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति, जनसेवा की भावना और कारगर रणनीति के जरिए उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त कर यह बात को सिद्ध कर दिया है कि जहां चाह हो, वहां राह निकल ही आती है।

श्री नड्डा ने कहा कि मुझे लंबे समय तक श्री नरेन्द्र मोदी के साथ काम करने का अवसर मिला है। मैंने बहुत नजदीक से अनुभव किया है कि उनमें कई ऐसी विशेषताएं हैं जो उनके व्यक्तित्व को बहुआयामी बनाती है। कठोर परिश्रम करना, स्पष्ट दृष्टि रखना और जनता की भलाई के लिए समर्पित रहना उनका स्वभाव है। उनसे हम सबको देश के लिए सतत कार्य करते रहने की प्रेरणा मिलती है। उनके नेतृत्व में देश विकास के पथ पर तो अग्रसर है ही, विश्व पटल पर भी भारत की साख में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्रीजी ने देश की राजनैतिक कार्य-संस्कृति को बदल कर रख दिया है। आज उनके नेतृत्व में जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति की जगह विकासवाद की राजनीतिक संस्कृति प्रतिष्ठित हुई है और देश के अन्य सभी राजनीतिक दलों को इसी राह पर आगे बढ़ने के लिए विवश होना पड़ रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि प्रधान सेवक हैं। देश की जनता के साथ उनका एक भावनात्मक संबंध है। वे हर भारतवासी के दिल में रचे-बसे हैं। वे देशवासियों को हमेशा समाज के लिए अच्छा करने को प्रेरित करने वाले आधुनिक भारत के समाज सुधारक भी हैं। उनकी एक आवाज पर संपूर्ण राष्ट्र एकजुट होकर लक्ष्य को साकार करने के प्रति तत्पर हो जाता है।

उन्होंने कहा कि मुझे यह कहने में तनिक भी संकोच नहीं है कि उनका बेदाग़ सार्वजनिक जीवन एक राजर्षि का जीवन है जिसका एक ही उद्देश्य है जन-जन का विकास। उनकी सोच हमेशा रचनात्मक होती है। वे हमेशा समस्याओं का समाधान, रचनात्मक सोच के माध्यम से करते हैं। उनका एकमात्र ध्येय भारतवर्ष को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करना है। आज के दिन हम अपने प्रधानमंत्रीजी के जीवन से प्रेरणा लें और राष्ट्र निर्माण एवं जन-कल्याण में अपने को समर्पित कर दें। हमें एकजुट होकर, उनके साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए देश को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करने के लिए कटिबद्ध भाव से काम करना चाहिए।

श्री नड्डा ने कहा कि मैं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे आपको लंबी आयु दें, आपको स्वस्थ रखें – फिट रखें ताकि आप इसी तरह आनेवाले लंबे समय तक राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपना योगदान देते रहें और भारत को हर मोर्चे पर आगे बढ़ाते रहें। मैं एक बार पुनः प्रधानमंत्रीजी को उनके जन्मदिन पर बधाई देता हूं और उनके स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की कामना करता हूं। ■

संगठनात्मक नियुक्तियां

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 सितंबर, 2021 को भाजपा, पश्चिम बंगाल प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष श्री दिलीप घोष और उत्तराखंड की पूर्व राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया।

वहीं, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा ने बलूरघाट से लोकसभा सांसद डॉ. सुकांता मजूमदार को भाजपा, पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। ■

श्री दिलीप घोष
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा

श्रीमती बेबी रानी मौर्य
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा

डॉ. सुकांता मजूमदार
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा प. बंगाल

'हमें यूथ से लेकर बूथ तक को पार्टी के चुनाव अभियान में जोड़ना है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 सितंबर, 2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश बूथ विजय अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में श्री नड्डा के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सुनील बंसल एवं उत्तर प्रदेश के पार्टी प्रभारी श्री राधामोहन सिंह सहित सभी वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी वर्चुअली उपस्थित थे। कार्यक्रम से उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य एवं श्री दिनेश शर्मा, केन्द्रीय मंत्री श्री महेंद्र नाथ पांडेय सहित पार्टी के सभी सांसद और विधायक भी वर्चुअली जुड़े। साथ ही, प्रदेश के लगभग 2700 शक्ति केन्द्रों से लाखों बूथ कार्यकर्ता भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

हमारी शक्ति हमारे बूथ कार्यकर्ता हैं

श्री नड्डा ने कहा कि हमारी शक्ति हमारे बूथ कार्यकर्ता हैं। पार्टी के कार्यकर्ता ही हमारी ताकत हैं। हम बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के बल पर यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में टू वे कम्युनिकेशन होता है। नीचे स्तर से सूचनाएं आती है, परेशानियां पहुंचती है, उसके आधार पर नीतियां बनती है और फिर उन नीतियों को सही रूप से लागू किया जाता है। हमारे हर कार्यक्रमों को सफल बनाने में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी भूमिका होती है।

सपा, बसपा और कांग्रेस को उत्तर प्रदेश के विकास से कोई लेना-देना नहीं

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में और श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने इन साढ़े चार सालों में विकास की नई गाथा लिखी है।

सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकारों ने मिलीभगत से शासन करते हुए केवल एक परिवार का भला किया, उन्हें उत्तर प्रदेश की जनता से कोई लेना-देना नहीं है।

सपा-बसपा-कांग्रेस की सरकार में उत्तर प्रदेश में जनता त्रस्त थी, जबकि अपराधी और भ्रष्टाचारी मस्त थे। अब श्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में अपराधी और भ्रष्टाचारी पस्त हुए हैं।

सपा, बसपा और कांग्रेस की सरकारों में गरीबों को वोट बैंक समझा जाता था, जबकि हमारी सरकार में उनके सर्वांगीण विकास के काम किये जाते हैं।

उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा

श्री नड्डा ने कहा कि श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर सुदृढ़ हुआ है। अपराधी आज प्रदेश छोड़ने पर विवश हुए हैं। अपराधियों में खौफ साफ़ देखा जा सकता है। योगी सरकार में माफियाओं की संपत्ति जब्त हुई है, लूट-डकैती और हत्या जैसी घटनाओं में 28 से 50 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। योगीजी की सरकार में उत्तर प्रदेश दंगा मुक्त राज्य के रूप में स्थापित हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। योगीजी ने उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था चार साल में 11 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में नई इबारत लिखी है। उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े 4 वर्षों में 4.52 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। लगभग 3 लाख युवाओं को संविदा पर सरकारी नियुक्ति मिली है। इसके अतिरिक्त 82 लाख एमएसएमई इकाइयों में लगभग 2 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान किया गया।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे पर पिछले साढ़े चार सालों में उत्तर प्रदेश में शानदार काम हुआ है। रायबरेली में 823 करोड़ रुपये की लागत से 610 बेड वाले और गोरखपुर में 1,011 करोड़ रुपये की लागत से 750 बेड वाले दो एम्स की शुरुआत हो चुकी है।

अपना बूथ जीता, समझो, चुनाव जीत लिया

पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ विजय अभियान का संदेश देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि मैंने पहले भी कहा है, अभी भी कहता हूं कि अपना बूथ जीता, समझो, चुनाव जीत लिया। हमें हर बूथ जीतना है। बूथ विजय अभियान के शुभारंभ के साथ भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। मुझे बताया गया है कि उत्तर प्रदेश में 1.55 लाख बूथों तक बूथ समितियों का गठन पूरा कर लिया है। यह आप सबकी और हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन कार्यक्रमों को जमीन पर अक्षरशः उतारते हुए पार्टी की भव्य जीत सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि हमें सभी बूथों को मजबूत बनाना है। कमजोर बूथों पर जमकर मेहनत करनी है। हर बूथ को सक्रिय करना है, हर बूथ को जीवंत बनाना है। ■

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन, जबलपुर संसदीय क्षेत्र

कार्यकर्ता बूथ को मजबूत करने के अभियान से जुड़ें: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 18 सितंबर, 2021 को जबलपुर में जबलपुर संसदीय क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित किया और उनसे केंद्र की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार एवं राज्य की श्री शिवराज सिंह चौहान सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचारधारा और संगठन के आधार पर चलने वाली जन-कल्याण के प्रति समर्पित पार्टी है। भारतीय जनता पार्टी की असली ताकत उसके बूथ कार्यकर्ता हैं। मेरी राजनीतिक यात्रा भी एक बूथ कार्यकर्ता के रूप में ही शुरू हुई थी। मैं भी आपकी तरह बूथ में पर्ची बांटने का काम करता था, लेकिन इस महान पार्टी ने मुझे पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया। देश में मौजूद सभी राजनीतिक दलों में यह केवल भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है कि एक बूथ कार्यकर्ता भी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है और एक गरीब परिवार में जन्म लेनेवाले श्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री। बूथ कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए श्री शाह ने कहा कि हमारे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और समर्पित कार्यकर्ता श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे के सम्मान में आयोजित कुशाभाऊ शताब्दी आने वाली है। मैं कार्यकर्ताओं से निवेदन करना चाहता हूं कि वे बूथ को मजबूत करने के अभियान और पार्टी के पूर्णकालिक अभियान से जुड़ें। आपको अपने जीवन का अद्भुत अनुभव होगा। श्रद्धेय ठाकरेजी जैसे समर्पित कार्यकर्ता को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके गुणों को अपने जीवन में उतारें और पार्टी के एक सच्चे और निर्मल कार्यकर्ता बनें।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचारधारा और संगठन के आधार पर राजनीति करने वाली पार्टी है। लोक-संग्रह और जन-संपर्क, भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र है। लोकतंत्र में जनता की सेवा के लिए चुनाव जीतना भी एक माध्यम होता है और हमारे लिए चुनाव जीतने के शस्त्र भी हमारे बूथ कार्यकर्ता ही हैं। मैं सभी बूथ कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहना चाहता हूं कि आप सब बूथ पर पार्टी की आत्मा बन जाएं और श्रद्धेय ठाकरेजी के बताये रास्ते पर आगे बढ़ने का प्रण लें। ■

तेलंगाना विमोचन दिवस

'भाजपा धर्म आधारित आरक्षण का विरोध करती है'

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 17 सितंबर, 2021 को निर्मल, तेलंगाना में 'तेलंगाना विमोचन दिवस' के अवसर पर आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया और निजाम व रजाकारों की क्रूरता के विरुद्ध लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन किया।

कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री संजय बांदी, केंद्रीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, स्थानीय सांसद श्री अरविंद धर्मपुरी, भाजपा सांसद श्री सोयम बापू राव, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री तरुण चुघ, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री मुरलीधर राव भी उपस्थित थे।

जनसभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के अद्वितीय पराक्रम के बल पर देश को आजादी मिलने के लगभग 13 महीनों बाद 17 सितंबर, 1948 को निजाम और रजाकारों के चंगुल से तेलंगाना की जनता को आजादी मिली थी और प्रख्यात पोलो मिशन समाप्त हुआ था। इसलिए, कई मायनों में आज के दिन को तेलंगाना की आजादी का दिन माना जाता है। भारतीय जनता पार्टी ने यह उचित ही निर्णय लिया है कि जब भी तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनेगी, हम हर साल 17 सितंबर को धूमधाम के साथ अधिकृत तौर पर कार्यक्रम करके 'हैदराबाद विमोचन दिवस' मनाएंगे।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में धर्म के आधार पर आरक्षण दिया गया है। धर्म के आधार पर आरक्षण कभी नहीं होना चाहिए। यह भारतीय जनता पार्टी की नीति है। हम धर्म आधारित आरक्षण का विरोध करते हैं। यह संविधान सम्मत नहीं है। भाजपा इसका विरोध करती है।

श्री शाह ने जोर देते हुए कहा कि 2024 में निश्चत तौर पर तेलंगाना में पूर्ण बहुमत की भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने वाली है। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने टेलीकॉम सेक्टर में बड़े सुधारों को दी मंजूरी

गत 15 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने टेलीकॉम सेक्टर में कई ढांचागत और प्रक्रिया सुधारों को मंजूरी दी। इन सुधारों से रोजगार को बचाने और नए रोजगार पैदा करने के अवसर मिलेंगे। इन सुधारों से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा, जिससे उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा होगी। टेलीकॉम कंपनियों को पूंजी की तरलता बढ़ाने और नियमों के पालन के बोझ को कम करने में मदद मिलेगी। इन सुधारों से टेलीकॉम सेक्टर में निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

कोविड-19 की वैश्विक महामारी के दौरान टेलीकॉम सेक्टर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रमुख ढांचागत सुधार, प्रक्रिया सुधार और टेलीकॉम कंपनियों की पूंजी की तरलता सम्बन्धी आवश्यकताओं के लिए किए गए राहत उपाय निम्न हैं:

ढांचागत सुधार

- **एडजस्टेड ग्रॉस रेवन्यू (एजीआर) का युक्तिकरण:** गैर-टेलीकॉम राजस्व को एजीआर की परिभाषा से भावी आधार पर बाहर रखा जाएगा।
- **बैंक गारंटी (बीजी) को युक्तिसंगत बनाया गया:** लाइसेंस शुल्क और अन्य समान करारोपण के एवज में बैंक गारंटी आवश्यकताओं (80%) में भारी कमी की गई है। देश में विभिन्न लाइसेंस सेवा क्षेत्रों में अनेक बैंक गारंटी की अब कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बजाए एक ही बैंक गारंटी पर्याप्त होगी।
- **ब्याज दरों को युक्ति संगत बनाया गया/दंड हटाया गया:** 1 अक्टूबर, 2021 से लाइसेंस शुल्क/स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) के विलंबित भुगतान पर ब्याज की दर एसबीआई एमसीएलआर+4% के बजाय एमसीएलआर+2% होगी। ब्याज को मासिक के बजाय सालाना संयोजित किया जाएगा। जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज को हटा दिया जाएगा।
- **स्पेक्ट्रम अवधि:** भविष्य की नीलामी में स्पेक्ट्रम की अवधि 20 से बढ़ाकर 30 वर्ष कर दी गई है।
- भविष्य की नीलामी में प्राप्त स्पेक्ट्रम के लिए 10 वर्षों के बाद स्पेक्ट्रम के सरेंडर की अनुमति दी जाएगी।
- भविष्य की नीलामी में प्राप्त स्पेक्ट्रम के लिए कोई स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) नहीं होगा।
- निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए टेलीकॉम सेक्टर में स्वतः मार्ग के तहत 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है। सभी सुरक्षा उपाय लागू होंगे।

प्रक्रिया सुधार

- **नीलामी कैलेंडर नियत:** स्पेक्ट्रम नीलामी सामान्यतः प्रत्येक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में आयोजित की जाएगी।

- **व्यापार सुगमता को बढ़ावा:** वायरलेस उपकरण के आयात के लिए 1953 के कस्टम्स नोटिफिकेशन के तहत लाइसेंस की कठिन आवश्यकता को हटा दिया गया है। इसे सेल्फ-डिक्लेयरेशन से प्रतिस्थापित किया जाएगा।
- **केवाईसी सुधार:** सेल्फ-केवाईसी (ऐप आधारित) की अनुमति दी गई है। ई-केवाईसी की दर को संशोधित कर केवल एक रुपया कर दिया गया है। प्री-पेड से पोस्ट-पेड और पोस्ट-पेड से प्री-पेड में स्थानांतरण के लिए नए केवाईसी की आवश्यकता नहीं होगी।
- नए कस्टमर बनाए जाने के समय भरे जाने वाले फॉर्म को डेटा के डिजिटल स्टोरेज से बदल दिया जाएगा। इससे टेलीकॉम कंपनियों के विभिन्न गोदामों में पड़े लगभग 300-400 करोड़ काग़ज़ी फॉर्म की आवश्यकता नहीं रहेगी।

टेलीकॉम कंपनियों की पूंजी की तरलता सम्बन्धी आवश्यकताओं के लिए राहत उपाय

कैबिनेट ने सभी टेलीकॉम कंपनियों के लिए निम्न को मंजूरी दी:

- एजीआर के फैसले से उत्पन्न होने वाले देय राशि के वार्षिक भुगतान में चार साल तक की मोहलत/ढील, हालांकि, ढील दी गई देय राशियों को राशियों के नेट प्रेजेंट वैल्यू की रक्षा करके संरक्षित किया जा रहा है।
- पिछली नीलामियों (2021 की नीलामी को छोड़कर) में खरीदे गए स्पेक्ट्रम के देय भुगतान पर चार साल तक की मोहलत/ढील। देय भुगतान के नेट प्रेजेंट वैल्यू को संगत नीलामी में निर्धारित ब्याज दर पर संरक्षित किया जाएगा।
- टेलीकॉम कंपनियों को भुगतान में उक्त ढील के कारण उत्पन्न होने वाली ब्याज राशि को इक्विटी के माध्यम से भुगतान करने का विकल्प दिया जाएगा।
- मोहलत/ढील अवधि के अंत में उक्त ढील दिए गए भुगतान से संबंधित देय राशि को सरकार के विकल्प पर इक्विटी में परिवर्तित किया जा सकेगा, जिसके लिए वित्त मंत्रालय द्वारा दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया जाएगा। ■

जबलपुर में प्रधानमंत्री उज्ज्वला–2.0 योजना के मध्य प्रदेश चरण का शुभारंभ

उज्ज्वला योजनाः लगभग नौ करोड़ घरों में गैस सिलिंडर पहुंच गए

गत 18 सितंबर को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने जबलपुर में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना-2.0 के मध्य प्रदेश चरण का शुभारंभ किया, जिसके अंतर्गत एक करोड़ और ज़रूरतमंद महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए जाएंगे जिनमें से आज पांच लाख महिलाओं को मुफ़्त रसोई गैस कनेक्शन, चूल्हा, रेग्युलेटर दिए गए। कार्यक्रम में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी वीडियो कांफ्रेंस के ज़रिए शामिल हुए। समारोह में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री श्री रामेश्वर तेली, केन्द्रीय इस्पात राज्यमंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते और केन्द्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

श्री शाह ने कहा कि उज्ज्वला योजना की शुरुआत के कुछ ही सालों में देखते-देखते लगभग नौ करोड़ घरों में गैस सिलिंडर पहुंच गए और जिन घरों में बच्चे, बूढ़े, माताएं धुंए से बीमार होते थे, वो घर धुंआरहित हो गए। श्री शाह ने कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी यहीं नहीं रूके और दोबारा उन्हें माताओं-बहनों का आशीर्वाद मिला और 2019 में फिर से अधिक सीटों के साथ प्रधानमंत्री बने और उन्होंने कहा कि अभी भी कुछ माताएं ऐसी हैं जिन्हें गैस कनेक्शन नहीं मिल सके हैं और ऐसी एक करोड़ माताओं-बहनों को गैस सिलिंडर देने का काम उज्ज्वला-2.0 के तहत प्रधानमंत्री जी ने किया है।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में 74 लाख लोगों को गैस सिलिंडर मिला था, 17 लाख और लोगों को गैस सिलिंडर मिलेगा, जिनमें से पांच लाख माताओं-बहनों को आज गैस सिलिंडर मिल रहा है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार गरीब कल्याण के काम में लगी है, लेकिन जब थोड़े समय के लिए यहां दूसरी सरकार आई, तो उन्होंने पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई 17 योजनाओं को बंद कर दिया, लेकिन जब फिर हमारी सरकार बनी तो 17 की 17 योजनाओं को फिर से शुरू करने का कार्य किया गया और यही बताता है कि हमारी पार्टी की प्राथमिकता क्या है और विपक्षी पार्टियों की प्राथमिकता क्या है। ■

हिंदी दिवस: 14 सितंबर

'हिंदी भारत की सभी भाषाओं की सखी है'

गत 14 सितंबर को केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित हिंदी दिवस-2021 समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री अमित शाह ने वर्ष 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के दौरान राजभाषा हिंदी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मंत्रालयों, विभागों, उपक्रमों आदि को राजभाषा कीर्ति और राजभाषा गौरव पुरस्कार भी प्रदान किए। केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री ने राजभाषा भारती पुस्तिका के 160वें अंक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय, श्री अजय कुमार मिश्रा और श्री निशिथ प्रामाणिक, केन्द्रीय गृह सचिव, राजभाषा विभाग के सचिव और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि हमने जब संविधान को स्वीकारा, इसके साथ ही 14 सितंबर, 1949 के एक निर्णय को भी स्वीकार किया कि इस देश की राजभाषा हिंदी होगी और लिपि देवनागरी होगी। उन्होंने कहा कि ये जो पुरस्कार होता है, वो कई लोगों को प्रेरणा देता है और राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए आगे बढ़ने का हौसला देता है। उन्होंने ग़ैर-हिंदी पुरस्कार विजेताओं को विशेष बधाई देते हुए कहा कि आप जिस प्रदेश से आते हो, उस प्रदेश की भाषा के साथ-साथ राजभाषा को भी उस प्रदेश में पहुंचाने का आपने बहुत अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि हिंदी का किसी स्थानीय भाषा से कोई मतभेद नहीं है और हिंदी भारत की सभी भाषाओं की सखी है और यह सह-अस्तित्व से ही आगे बढ़ सकती है।

श्री शाह ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अपनी भाषा से अच्छी अभिव्यक्ति किसी और भाषा में नहीं कर सकता और ये बात हमें अपनी नई पीढ़ी को समझानी होगी कि भाषा कभी बाधक नहीं हो सकती, हम गौरव के साथ अपनी भाषा का उपयोग करें, झिझकें नहीं। ■

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (बैड बैंक) के लिए सरकारी गारंटी के प्रस्ताव को दी मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 सितंबर को फंसे क़र्ज़ की परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी लिमिटेड (एनएआरसीएल) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों को समर्थन देने के लिए 30,600 करोड़ रुपये की केंद्र सरकार की गारंटी को मंजूरी दी।

प्रस्तावित बैड बैंक या एनएआरसीएल ने आरबीआई के मौजूदा नियमों के तहत विभिन्न चरणों में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये मूल्य के फंसे क़र्ज़ की परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का प्रस्ताव रखा है। प्रस्ताव के तहत 15 प्रतिशत नकद और 85 प्रतिशत प्रतिभूति रसीदों (एसआर) के माध्यम से इन परिसंपत्तियों का अधिग्रहण किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि एनएआरसीएल को कंपनी अधिनियम के तहत निगमित किया गया है और कंपनी ने एक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) के रूप में लाइसेंस के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के पास आवेदन दिया है। एनएआरसीएल की स्थापना बैंकों द्वारा फंसे क़र्ज़ की परिसंपत्तियों को समेकित करते हुए ऋण का समाधान करने के लिए की गई है। पीएसबी एनएआरसीएल में 51% स्वामित्व बनाए रखेंगे।

साथ ही, भारत ऋण समाधान कंपनी लिमिटेड (आईडीआरसीएल) परिसंपत्ति का प्रबंधन करेगी और बाजार के व्यवसाय-संबंधी विशेषज्ञों और टर्नअराउंड विशेषज्ञों को शामिल करेगी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) और सार्वजनिक वित्त संस्थान (एफआई) के पास अधिकतम 49 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी और शेष हिस्सेदारी निजी क्षेत्र के ऋणदाताओं के पास रहेगी।

दरअसल, मौजूदा एआरसी विशेष रूप से छोटे मूल्य के ऋणों के लिए फंसे क़र्ज़ की परिसंपत्तियों के समाधान में सहायक रहे हैं। आईबीसी समेत विभिन्न उपलब्ध समाधान व्यवस्था उपयोगी सिद्ध हुए हैं, लेकिन पुराने एनपीए के बड़े स्टॉक को देखते हुए अतिरिक्त विकल्पों की आवश्यकता थी। इसे ध्यान में रखते हुए केंद्रीय बजट में एनएआरसीएल-आईआरडीसीएल की घोषणा की गयी थी।

सरकारी गारंटी की आवश्यकता क्यों?

इस तरह की समाधान व्यवस्था, जो एनपीए के पुराने बकाया मामलों का समाधान करती हैं, को आमतौर पर सरकार से समर्थन की आवश्यकता होती है। यह समर्थन विश्वसनीयता प्रदान करता है और आकस्मिक प्रतिरोध (बफर) की क्षमता प्रदान करता है। इसलिए 30,600 करोड़ रुपये तक की भारत सरकार की गारंटी, एनएआरसीएल द्वारा जारी प्रतिभूति रसीदों (एसआर) का समर्थन करेगी। यह गारंटी 5 साल के लिए वैध होगी। गारंटी लागू होने के लिए पूर्ववर्ती शर्त, समाधान या परिसमापन होगी। गारंटी एसआर के अंकित मूल्य और वास्तविक प्राप्ति के बीच की कमी को पूरा करेगी। भारत सरकार की गारंटी एसआर की तरलता को भी बढ़ाएगी, क्योंकि ऐसे एसआर कारोबार के योग्य होंगे।

कैसे काम करेंगे एनएआरसीएल और आईडीआरसीएल?

एनएआरसीएल लीड बैंक को प्रस्ताव देकर संपत्ति का अधिग्रहण करेगी। एक बार जब एनएआरसीएल का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जायेगा, तो आईडीआरसीएल को प्रबंधन और मूल्यवर्धन के लिए नियुक्त किया जाएगा।

इस नयी संरचना से बैंकों को फायदा

यह संरचना फंसे क़र्ज़ की परिसंपत्तियों के समाधान पर त्वरित कार्रवाई को प्रोत्साहित करेगी, जिससे बेहतर मूल्य प्राप्ति में मदद मिलेगी। इस दृष्टिकोण को अपनाने से बैंकों के पास व्यापार बढ़ाने और ऋण वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अतिरिक्त बैंककर्मी उपलब्ध होंगे। इन फंसे क़र्ज़ की परिसंपत्तियों और एसआर के धारकों के रूप में बैंकों को लाभ प्राप्त होगा। इसके अलावा, यह बैंक के मूल्यांकन में सुधार लाएगा और बाजार से पूंजी जुटाने की उनकी क्षमता को बढ़ाएगा। ■

केन्द्र ने क्रूड पाम ऑयल, क्रूड सोयाबीन तेल और क्रूड सनफ्लॉवर तेल पर शुल्क की स्टैंडर्ड दर घटाकर 2.5 प्रतिशत की

उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर खाद्य तेल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने 10 सितंबर को जारी अधिसूचना के जरिए एक बार फिर से क्रूड पाम ऑयल, क्रूड सोयाबीन तेल पर शुल्क की स्टैंडर्ड दर कम कर दी और (i) क्रूड सनफ्लॉवर तेल पर 11 सितंबर, 2021 से 2.5 प्रतिशत और (ii) रिफाइंड पाम ऑयल, रिफाइंड सोयाबीन तेल और रिफाइंड सनफ्लॉवर तेल पर 11 सितंबर, 2021 से शुल्क की स्टैंडर्ड दर 32.5 प्रतिशत प्रभावी होगी। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा शुल्क में दी गई छूट के रूप में उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले लाभों का प्रत्यक्ष मूल्य 4600 करोड़ रुपये का होने का अनुमान है। ■

लोकतांत्रिक राष्ट्रवादी, लोकतांत्रिक समाजवादी और राष्ट्रवादी समाजवादी

पं. दीनदयाल उपाध्याय

आधुनिक विश्व का राजनीतिक विकास तीन अवधारणाओं से प्रभावित और निर्मित हुआ है, वे हैं– राष्ट्रवाद, लोकतंत्र और समाजवाद। कालक्रम के अनुसार इनमें राष्ट्रवाद सबसे पहले आया और समाजवाद सबसे बाद में। इस दृष्टि से यदि यूरोप को प्रतिनिधि मान लें तो हम देखते हैं कि तेरहवीं शताब्दी से उन्नीसवीं शताब्दी तक यूरोप का मानचित्र राष्ट्रीय इच्छाओं के अनुसार बार-बार बदलता रहा। राष्ट्रवाद ने लोगों को एकसूत्र में बांधा और विभिन्न रियासतों के लोगों को अपनी स्वायत्तता त्यागकर राष्ट्रीय सरकारें बनाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रवाद एक जनसमूह को दूसरे से अलग पहचान देता है और हम देखते हैं कि धीरे-धीरे व्यक्तिगत सनक की अपेक्षा युद्ध और शांति के मुद्दे राष्ट्रीय हितों से परिचालित होने लगे। ज्यों-ज्यों राष्ट्रों की अलग पहचान आकार लेने लगी, त्यों-त्यों सरकारों के स्वरूप में लोगों की रुचि बढ़ी और उस पर विवाद बढ़ने लगा। जब अलेक्जेंडर पोप ने सरकारों के स्वरूप विषयक सारे विवादों को सिरे से नकारा तथा वह अर्धचेतन रूप से इस विषय में अपनी रुचि ही प्रकट कर रहे थे। उन्होंने लिखा–

"सरकार के स्वरूप को लेकर
मूर्खों को झगड़ने दो,
कुशल प्रशासन ही
श्रेष्ठ प्रशासन है।"

पोप ने इस प्रश्न का उत्तर नहीं दिया– प्रश्न है, परंतु पोप ने इस जटिल समस्या का उत्तर नहीं दिया कि किस प्रशासनिक व्यवस्था में हम कुशल प्रशासन पा सकते हैं अथवा पाने की आशा कर सकते हैं? उन दिनों राजतांत्रिक व्यवस्था का ही प्रचलन था और सरकार की सारी बुराइयों इसी कारण थीं या ऐसा प्रतीत होता था कि उसी व्यवस्था से जुड़ी हुई हैं। इससे भी बढ़कर अधिक से अधिक राजनीतिक चिंतकों ने राजाओं के शासन करने के दैवी अधिकारों पर प्रश्न लगाने प्रारंभ कर दिए थे। सभी मनुष्य समान माने जाने लगे। इन सबसे प्रजातांत्रिक विचारों का जन्म हुआ, यूनान के नगर गणराज्यों में रुचि बढ़ी, फ्रांस की क्रांति होने तक, प्रजातंत्र आकार लेकर शताब्दी पुराना हो चुका था और यूरोप के अनेक देशों में जड़ जमा चुका था।

औद्योगिक क्रांति के विकास के साथ-साथ यह अनुभव किया जाने लगा कि वास्तविक शक्ति कुछ ही लोगों के हाथों में केंद्रित है। केवल आर्थिक क्षेत्र में ही नहीं, राजनीतिक क्षेत्र में भी शोषण होता है। साधारण आदमी को या तो मताधिकार से वंचित रखा जाता है या फिर ऐसी स्थितियां पैदा की जाती हैं कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग स्वतंत्रतापूर्वक न कर सके। सामाजिक न्याय की बलवती इच्छा ने उस राजनीतिक दर्शन को जन्म दिया, जिसे समाजवाद कहा जाता है। मार्क्स द्वारा एक विचार प्रणाली के रूप में सुगठित करने से पूर्व यह समाजवाद एक अस्पष्ट सी प्रवृत्ति थी, जो अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं, औद्योगिक मजदूर संगठनों के नेताओं और राजनीतिक दार्शनिकों के काल्पनिक आदर्शों का प्रतिनिधित्व करती थी। ऐसा नहीं है कि मार्क्स विवेचित दर्शन में इनमें से किसी बात का अभाव था अथवा समाजवाद कुछ ज्यादा व्यावहारिक बन गया। परंतु उन्होंने समाजवाद को एक विश्लेषण और सिद्धांत दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह सुनिश्चित राजनीतिक दर्शन की श्रेणी में पहुंच गया। मार्क्स के पश्चात् भी अनेक समाजवादी हुए, जिनका उनसे मतभेद था। परंतु अपनी मूल अवधारणाओं और अंतिम लक्ष्यों की वृद्धि से वे अपना विशिष्ट प्रभाव नहीं छोड़ पाए। मार्क्सवादी कार्यपद्धति से समाजवाद अनेक लोगों के लिए अभिशाप बन गया और उसने इसे राष्ट्रवाद और प्रजातंत्र के प्रतिकूल बना दिया।

राष्ट्रवाद एक तथ्य है

राष्ट्रवाद आज भी विश्व की सरकारों को सर्वाधिक प्रभावित करनेवाला एकमात्र तत्व है। परंतु बहुत कम इसे मानवता के लिए अभिशाप मानकर समाप्त कर देना चाहते हैं। परंतु वे इस मूलभूत प्रवृत्ति से अपने को मुक्त करने में सफल नहीं हुए, उन्होंने अनेक प्रकार की मनोग्रंथियों का निर्माण किया और इस प्रकार अपनी राष्ट्रीय नीतियों को कमज़ोर किया है। वर्तमान में अधिकांश लोग इन दोनों आदर्शों को मिश्रित रूप में अपनाने का दावा करते हैं और वे इस प्रकार लोकतांत्रिक राष्ट्रवादी, लोकतांत्रिक समाजवादी और राष्ट्रवादी समाजवादी हैं। यदि इन्हें एक-एक विचारधारा से संबद्ध माना जाए तो ये केवल राष्ट्रवादी, समाजवादी और लोकतांत्रिक देश हो सकते हैं।

आजाद दुनिया के अधिकांश राष्ट्रों को प्रथम श्रेणी में रखा जा सकता है। वे राष्ट्रवाद को स्वयंसिद्ध मानकर लोकतंत्र को अपना आदर्श कहते हैं। यहां पर लोग समाजवाद पर मोहित नहीं हैं और कुछ तो इसे लोकतंत्र में बाधक भी मानते हैं। नाजीवाद और फासीवाद, समाजवाद के ही रूप थे। साम्यवादी रूस, चीन और युगोस्लाविया आदि को भी राष्ट्रवादी समाजवादी कहा जा सकता है। इनमें अंतर केवल इतना ही है कि ये राष्ट्रवाद का दैवीकरण नहीं करते, परंतु राष्ट्रवाद का प्रभाव यहां भी देखा जा सकता है। हिटलर ने राष्ट्रवाद पर अनावश्यक बल देकर अपने लोगों को तो उत्साहित किया, परंतु

अन्य लोगों को अपना शत्रु बना दिया। साम्यवादी देश कुछ अधिक चालाकी से काम लेते हैं। वे अपने को अंतरराष्ट्रीय आंदोलन घोषित करते हैं और इस प्रकार अन्य राष्ट्रों की राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की उपेक्षा करते हैं तथा अपने विस्तारवादी लक्ष्यों को पूरा करते हैं।

समाजवाद धोखा है

एशिया और अफ्रीका के जो देश पश्चिमी उपनिवेशवादी राष्ट्रों से मुक्त हुए हैं, वहां का प्रचलित राजनीतिक दर्शन 'लोकतांत्रिक समाजवाद' है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् प्रतीत होता है कि वे राष्ट्रवाद को भूल गए हैं, जो वास्तव में उनके स्वाधीनता संग्राम की मूल प्रेरणा था। पश्चिम के संपर्क में रहने के कारण उनकी आस्था लोकतंत्र में है, परंतु उसके साथ ही वे समाजवाद के फैशनपरक नारे के प्रदर्शनपरक प्रभाव से भी बच नहीं सके। इसके साथ ही समाजवाद ऐसे समूहों की सत्तालोलुपता को संतुष्ट करता है, जो आम लोगों को भ्रमित कर उन पर राज करते हैं। जिन समाजों में निर्धनता और अज्ञानता का राज है, वहां समाजवाद के प्रति आकर्षण है, परंतु यह इसका इलाज नहीं है। इस प्रकार हम देखते हैं कि विश्व के स्वतंत्र और विकसित राष्ट्र राष्ट्रवादी लोकतांत्रिक हैं। कठोर श्रेणीबद्ध राष्ट्र चाहे विकसित हों या फिर विकासशील, राष्ट्रवादी समाजवादी हैं अथवा साम्यवादी हैं और स्वतंत्र परंतु विकासशील राष्ट्र लोकतांत्रिक समाजवादी हैं। ये मुख्य वर्ग हैं। परंतु कुछ देश इसका अपवाद भी हैं, जिन्हें तीनों में से किसी भी श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, जैसेकि पाकिस्तान वह न तो राष्ट्रवादी समाजवादी है और न ही राष्ट्रवादी लोकतांत्रिक देश है।

लोकतंत्र एक लक्ष्य है

कांग्रेस के सत्ता में रहते भारत को एक लोकतांत्रिक समाजवादी देश कहा जा सकता है। वर्तमान में देश की अल्पविकसित अर्थव्यवस्था के चलते और आज़ादी के प्रारंभिक कालखंड में होने के कारण तथा अंग्रेजों की संसदीय संस्थाओं की विरासत के रहते हम समाजवादी भी हो सकते हैं और लोकतांत्रिक समाजवादी भी। वर्तमान में इसका अर्थ मात्र इतना ही है कि सरकार आर्थिक क्षेत्र में विकास की कुछ जिम्मेदारियां अपने ऊपर ले। कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जहां निजी पूंजी अर्थव्यवस्था के अविकसित होने के कारण अपने सीमित साधनों के रहते प्रवेश नहीं कर सकती। राज्य सरकारों को वहां पदार्पण करना होगा। साथ ही असमानताओं को कम करने का प्रश्न भी है। इन क्षेत्रों को समाजवादी होना ही होगा। परंतु इसके कुछ दुष्प्रभाव भी हैं। सर्वप्रथम तो समाजवाद में सरकारें ऐसे बड़े क्षेत्रों पर अधिकार जमा लेती हैं, जहां निजी उद्यमी सरलता से कार्य कर सकते हैं और इस राष्ट्र का भला कर सकते हैं। सरकारी गतिविधियां एकाधिकारवादी हो जाती हैं। यहां भी कुछ कट्टरपंथी समाजवादियों की इच्छाओं की पूर्ति के लिए सरकार पहले से ही निजी क्षेत्र में विकसित अन्य उद्यमों का राष्ट्रीयकरण करके या उन्हें अपने संरक्षण में लेकर अपनी शक्ति को ग़लत दिशा में लगा देते हैं। आर्थिक गतिविधियों में संपूरक की भूमिका निभाने की जगह जो कि विकासशील देश में सरकार की सही भूमिका है, सरकारें पहले से विकसित उद्यमों को हथियाने लगती हैं।

भारतीय दल कहां खड़े हैं

ज्यों-ज्यों हम समाजवाद की दिशा में आगे बढ़ते जाते हैं, प्रशासनिक गुटों के हाथों में शक्तियां अधिकाधिक केंद्रित होती जाती हैं, नौकरशाही का आशातीत विस्तार होता है और व्यावहारिक रूप में नागरिकों के लिए अपनी स्वतंत्रता का उपभोग कर पाना समाप्त हो जाता है। इस प्रकार जैसे-जैसे समाजवाद विस्तार पाता है, लोकतंत्र सिकुड़ता जाता है। प्रथम पक्ष (समाजवाद) वास्तविक लक्ष्य बन जाता है और द्वितीय पक्ष (जनता) गौण हो जाता है। इस प्रकार के सब लोग जो 'लोकतांत्रिक समाजवाद' के समर्थक हैं, उन्हें देर सवेर दोनों में से एक को त्यागना पड़ता है। जैसी स्थितियां हैं, लोकतंत्र ही शिकार बनेगा। प्र.सो.पा. और समाजवादी पार्टी इस दृष्टि से कांग्रेस से भिन्न नहीं है, सिवाए इसके कि पहले बताए दल समाजवाद पर अधिक बल देते हैं और बाद में बताया दल (कांग्रेस) लोकतंत्र पर।

ये दल कुछ समय पहले तक राष्ट्रवाद पर ध्यान नहीं देते थे। ये उसे स्वयंसिद्ध मानकर चलते थे। यद्यपि समाजवादी दल इस पर कुछ ध्यान अवश्य देता था। परंतु फिर भी यह देखना शेष है कि यह सब उनकी रणनीति का हिस्सा है अथवा सैद्धांतिक है।

जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी

जिन दलों की प्रजातंत्र में आस्था है, वे स्वाभाविक रूप से ग़ैर-समाजवादी वर्ग के हैं। भारतीय जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी को इस वर्ग में रखा जा सकता है, परंतु दोनों दलों में इस मुद्दे पर बल देने की दृष्टि से अंतर है। स्वतंत्र पार्टी उस सीमा तक ही और समाजवादी है, जहां तक वह सरकार द्वारा वंचित लोगों के उत्थान के लिए किए जा रहे सभी कार्यों का विरोध करती है, ताकि यथास्थिति को बदला न जाए। जनसंघ समाजवाद की सर्वसत्तावादी अवधारणा के विरोध तक गैर-समाजवादी है, अन्यथा वह निश्चय ही सामाजिक न्याय, असमानताओं को कम करने और अधिकांश विषयों में यथास्थितिवाद समाप्त करने की पक्षधर है। गैर समाजवाद से उसका अभिप्राय अहस्तक्षेपपरक पूंजीवाद नहीं है।

स्वतंत्र पार्टी पश्चिम के औद्योगिक जगत् की विकासयात्रा से भिन्न किसी विकास प्रक्रिया को स्वीकार नहीं करती। उसे राष्ट्रवाद की भी चिंता नहीं है। इसलिए वह लोकतांत्रिक दल है, परंतु इसे राष्ट्रवादी लोकतांत्रिक दल नहीं कह सकते। भारतीय जनसंघ राष्ट्रवाद और लोकतंत्र पर समान बल देती है और मानती है कि भारत के विकास की वर्तमान स्थिति में समाजवाद की भी कुछ भूमिका है।

इस प्रकार हमारे पास समाजवादी दल है, जो न लोकतांत्रिक है और न ही राष्ट्रवादी। कांग्रेस, पी.एस.पी. और समाजवादी पार्टी तथा अन्य छुटपुट दल, लोकतांत्रिक समाजवादी हैं और इसलिए वे

त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति 'राजमाता' विजया राजे सिंधिया

(12 अक्टूबर, 1919 – 25 जनवरी, 2001)

राजमाता विजया राजे सिंधिया का जन्म 12 अक्टूबर, 1919 में सागर, मध्य प्रदेश के राणा परिवार में हुआ था। श्रीमती विजया राजे सिंधिया के पिता श्री महेन्द्रसिंह ठाकुर जालौन ज़िला के डिप्टी कलेक्टर थे और उनकी माता श्रीमती विंदेश्वरी देवी थीं। श्रीमती विजया राजे सिंधिया का विवाह के पूर्व का नाम 'लेखा दिव्येश्वरी' था। राजमाता सिंधिया के पुत्र श्री माधवराव सिंधिया, पुत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया और श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया हैं।

श्रीमती विजया राजे सिंधिया को ग्वालियर की राजमाता के रूप में जाना जाता था। भारत के विशालतम और संपन्नतम राजे-रजवाड़ों में से ग्वालियर एक था। उस रियासत के महाराजा के साथ उनका विवाह हुआ था। 1957 में श्रीमती विजया राजे सिंधिया ने कांग्रेस से चुनाव लड़ा और वे विजयी हुईं। अपने पति के स्वर्गवास के बाद सन् 1962 में कांग्रेस के टिकट पर वे संसद सदस्य बनीं। पांच साल के बाद अपने सैद्धान्तिक मूल्यों के कारण वे कांग्रेस छोड़कर जनसंघ में शामिल हो गईं। एक राज परिवार से रहते हुए भी वे अपनी ईमानदारी, सादगी और प्रतिबद्धता के कारण पार्टी में सर्वप्रिय बन गईं। शीघ्र ही वे पार्टी में शक्ति स्तंभ के रूप में सामने आईं।

राजमाता विजया राजे सिंधिया भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में से एक थीं। राजमाता को जनसंघ और भाजपा के कई प्रमुख नेताओं जैसे– श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री लालकृष्ण आडवाणी के साथ काम किया। यही नहीं, मध्य प्रदेश की राजनीति में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान है। 1967 में मध्य प्रदेश में सरकार गठन में उन्होंने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, श्रीमती विजया राजे सिंधिया का सार्वजनिक जीवन प्रभावशाली और आकर्षक था, लेकिन उन्होंने अपने व्यक्तिगत जीवन में मुश्किलों का सामना किया।

सन् 1989 के आम चुनाव में राजमाता विजया राजे सिंधिया एक बार फिर गुना से भाजपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज कीं। इससे पहले 22 साल पूर्व सन् 1967 में राजमाता वहां से जीती थीं। 1991 के चुनाव में श्रीमती विजया राजे सिंधिया ने कांग्रेस प्रत्याशी को पराजित किया।

राजमाता सिंधिया सिद्धांतों के प्रति समर्पित सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से ओतप्रोत विदुषी जननायक थीं। उन्होंने महलों के वैभव को छोड़कर जनता के न्याय के लिए संघर्ष का मार्ग स्वीकार किया और सड़कों पर उतरकर 'राजमाता' से 'लोकमाता' बन गईं।

उन्होंने समर्पित जीवन जिया। सेवा की उनमें ललक थी। सादगी और सरलता उनका स्वभाव था। राजमाता का मानना था की अपनों की जड़ खोदकर कभी कोई दूसरों का चहेता नहीं बना है।

राजमाता सिंधिया लंबे समय तक महिलाओं से जुड़ी रहीं और उन्हें सदैव प्रेरित करती थीं। वे हमेशा सेवा के लिए समर्पित रहीं। उन्हें पद और सत्ता ने कभी आकर्षित नहीं किया। उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया।

राजमाता त्याग एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति थी। राजमाता विजया राजे सिंधिया ने लोगों के दिलों पर बरसों राज किया। सत्ता के शिखर पर रहने के बाद भी उन्होंने जनसेवा से कभी अपना मुख नहीं मोड़ा। राजमाता का सपना था कि जब देश में कमल खिलेगा तभी अंतिम सांस लेंगी। यह स्वप्न पूरा भी हुआ और श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनी। सन् 1998 से राजमाता का स्वास्थ्य ख़राब रहने लगा और 25 जनवरी, 2001 में राजमाता विजया राजे सिंधिया का स्वर्गवास हो गया। ■

राष्ट्रवाद की चिंता नहीं करते। स्वतंत्र पार्टी पूरी तरह से लोकतंत्रवादी और ग़ैर-समाजवादी है, वह अधिकांश में राष्ट्रवाद के प्रति उदासीन है और भारतीय जनसंघ जो मुख्य रूप से राष्ट्रवादी और लोकतांत्रिक है और समाजवाद की वैज्ञानिक अवधारणा के अनुसार गैर-समाजवादी है, परंतु अपनी वैचारिक और भावात्मक अपील के अनुसार समाजवाद को स्वीकारती है।

भारतीय जनसंघ द्वारा स्वीकृत राष्ट्रवाद में अन्य दलों के राष्ट्रवाद से अंतर है। जनसंघ को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रपरक राष्ट्रवाद के समर्थक हैं। जनसंघ 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' में विश्वास रखती है। अन्य मानते हैं कि राष्ट्र का निर्माण किया जाना है और भारतीय जनसंघ मानती है कि भारत युग-युगांतरों से राष्ट्र है। इसलिए वह राष्ट्रीय जीवनधारा से प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकती है, जबकि अन्य दल कभी-कभार भावुकतावश ऐसा करते हैं, अन्यथा राष्ट्र की विशाल विरासत से शक्ति और प्रेरणा पाने में असफल रहते हैं। इस प्रकार वे न केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीक में मार्गदर्शन के लिए पश्चिम का मुंह ताक़ते हैं बल्कि अर्थशास्त्र, राजनीति और समाज संबंधी सभी विषयों में उधर देखते हैं। अन्य सभी दलों की अपेक्षा जनसंघ सर्वाधिक भारत केंद्रित है। ■

(ऑर्गनाइज़र, दीवाली, 1963
(अंग्रेज़ी से अनूदित)

शंघाई सहयोग संगठन का वार्षिक शिखर सम्मेलन

शांति व सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के मूल में बढ़ती कट्टरता है: नरेन्द्र मोदी

यदि इतिहास पर नजर दौड़ाई जाए तो यह पता चलेगा कि मध्य एशिया का क्षेत्र शांत और प्रगतिशील संस्कृति तथा मूल्यों का गढ़ रहा है और सूफीवाद जैसी परम्पराएं यहां सदियों से पनपीं और पूरे क्षेत्र और विश्व में फैलीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी को क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौती करार देते हुए कहा कि इन समस्याओं के मूल में कट्टरपंथी विचारधारा है। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में 17 सितंबर को आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए श्री मोदी ने इस कड़ी में अफगानिस्तान के हाल के घटनाक्रमों का उल्लेख किया और कहा कि संगठन के सदस्य देशों को ऐसी चुनौतियों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए।

श्री मोदी ने इस अवसर पर एससीओ के नए सदस्य देश ईरान का स्वागत किया और साथ ही वार्ता के सहयोगी देशों का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि नए सदस्य और 'डायलॉग पार्टनर' से एससीओ और मजबूत तथा विश्वसनीय बनेगा।

उन्होंने कहा कि एससीओ की 20वीं वर्षगांठ इस संस्था के भविष्य के बारे में सोचने के लिए भी उपयुक्त अवसर है। मेरा मानना है कि इस क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं और इन समस्याओं का मूल कारण बढ़ती कट्टरता है। अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम ने इस चुनौती को और स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर एससीओ देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए।

श्री मोदी ने कहा कि यदि इतिहास पर नजर दौड़ाई जाए तो यह पता चलेगा कि मध्य एशिया का क्षेत्र शांत और प्रगतिशील संस्कृति तथा मूल्यों का गढ़ रहा है और सूफीवाद जैसी परम्पराएं यहां सदियों से पनपीं और पूरे क्षेत्र और विश्व में फैलीं। उन्होंने कहा कि इनकी छवि हम आज भी इस क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत में देख सकते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि मध्य एशिया की इस ऐतिहासिक धरोहर के आधार पर एससीओ को कट्टरपंथ और अतिवाद से लड़ने की एक साझा रणनीति तैयार करनी चाहिए। भारत में और एससीओ के लगभग सभी देशों में इस्लाम से जुड़ी शांत, सहिष्णु और समावेशी संस्थाएं व परम्पराएं हैं। एससीओ को इनके बीच एक मजबूत नेटवर्क विकसित करने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सन्दर्भ में एससीओ के रैट्स प्रक्रिया तंत्र की ओर से किए जा रहे काम की वह प्रशंसा करते हैं।

श्री मोदी ने कट्टरपंथ से लड़ाई को क्षेत्रीय सुरक्षा और आपसी विश्वास के लिए आवश्यक करार दिया और कहा कि यह युवा पीढ़ी का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि विकसित विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए हमारे क्षेत्र को प्रौद्योगिकी में एक पक्ष बनना होगा। इसके लिए हमें अपने प्रतिभाशाली युवाओं को, विज्ञान और विवेकपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करना होगा। इस तरह की सोच और नवप्रवर्तन की भावनाओं को बढ़ावा देना होगा।

गौरतलब है कि एससीओ की इस बैठक में अफगानिस्तान संकट, क्षेत्रीय सुरक्षा, सहयोग एवं सम्पर्क सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही, पहली बार एससीओ की शिखर बैठक हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की गई और यह चौथी शिखर बैठक थी, जिसमें भारत एससीओ के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में हिस्सा लिया।

हाईब्रिड प्रारूप के तहत आयोजन के कुछ हिस्से को डिजिटल आधार पर और शेष हिस्से को आमंत्रित सदस्यों की प्रत्यक्ष उपस्थिति के माध्यम से संपन्न किया जाता है। उल्लेखनीय है कि एससीओ की स्थापना 15 जून, 2001 को हुई थी और भारत 2017 में इसका पूर्णकालिक सदस्य बना। ■

अफगानिस्तान पर आउटरीच सत्र

एससीओ शिखर सम्मेलन के बाद एससीओ और कलेक्टिव सिक्योरिटी ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (सीएसटीओ) के बीच अफगानिस्तान पर आउटरीच सत्र हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से आउटरीच सत्र में भाग लिया।

वीडियो संदेश में श्री मोदी ने सुझाव दिया कि एससीओ क्षेत्र में आतंकवाद के मामले में 'जीरो टॉलरेंस' पर एक आचार संहिता विकसित कर सकता है और उन्होंने अफगानिस्तान से नशीले पदार्थों, हथियारों और मानव तस्करी के खतरों को भी रेखांकित किया। अफगानिस्तान में मानवीय संकट का उल्लेख करते हुए उन्होंने अफगानिस्तान के लोगों के साथ भारत की एकजुटता को दोहराया।

ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग का आदर्श वाक्य 'विश्वसनीयता और नवोन्मेष के साथ फिर से सतत निर्माण': नरेन्द्र मोदी

ब्रिक्स नेताओं ने अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। आंतकवाद और उग्रवाद के उभरते खतरों पर सबने समान विचार व्यक्त किए

गत नौ सितम्बर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की। भारत की ओर से इस बार ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का विषय BRICS@15: निरंतरता, समेकन और आम सहमति के लिए अंतर ब्रिक्स सहयोग चुना गया था। शिखर बैठक में ब्रिक्स के सभी नेताओं ने हिस्सा लिया। इनमें ब्राजील के राष्ट्रपति श्री जायर बोल्सोनारो, रूस के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति श्री शी जिनपिंग और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति श्री सिरिल रामाफोसा शामिल थे।

श्री मोदी ने इस वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान भारत को सभी सदस्य देशों की ओर से मिले सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस बार भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स ने अनूठी पहल के रूप में कई नई उपलब्धियां हासिल कीं। इसमें हाल ही में आयोजित पहला डिजिटल स्वास्थ्य सम्मेलन, बहुपक्षीय प्रणाली में मजबूती और सुधार के लिए पहली बार जारी साझा घोषणा पत्र, आतंकवाद से मुकाबले के लिए ब्रिक्स की एक कार्य योजना, दूर संवेदी उपग्रह के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता, ब्रिक्स टीका अनुसंधान और विकास केन्द्र की स्थापना तथा हरित पर्यटन पर गठबंधन आदि शामिल हैं।

वैश्विक व्यवस्था में सुधार के लिए कोविड बाद ब्रिक्स देशों द्वारा निभाई जा सकने वाली महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके लिए ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग का आदर्श वाक्य विश्वसनीयता और नवोन्मेष के साथ फिर से सतत निर्माण शुरु करना होना चहिए।

इन विषयों पर विस्तार से बोलते हुए श्री मोदी ने टीकाकरण की गति और पहुंच को बढ़ाने, विकसित देशों से परे जाकर टीकें और दवाओं की उत्पादन क्षमता में विविधता लाकर अधिक लचीलेपन के साथ पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को गति देने, जन-कल्याण के लिए रचनात्मक रूप से डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर नवाचार को बढ़ावा देने, बहुपक्षीय संस्थानों की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए उनमें सुधार सुनिश्चित करने तथा जलवायु मुद्दों पर ब्रिक्स देशों की एक आवाज व्यक्त करके टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

नेताओं ने अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। आंतकवाद और उग्रवाद के उभरते खतरों पर सबने समान विचार व्यक्त किए। सभी देश आंतकवाद का मुकाबला करने के लिए ब्रिक्स कार्य-योजना को तेजी से लागू करने पर भी सहमत हुए। शिखर सम्मेलन के समापन पर नेताओं ने नई दिल्ली घोषणा को संयुक्त रूप से स्वीकार किया

नेताओं ने अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रम सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। आंतकवाद और उग्रवाद के उभरते खतरों पर सबने समान विचार व्यक्त किए। सभी देश आंतकवाद का मुकाबला करने के लिए ब्रिक्स कार्य-योजना को तेजी से लागू करने पर भी सहमत हुए। शिखर सम्मेलन के समापन पर नेताओं ने नई दिल्ली घोषणा को संयुक्त रूप से स्वीकार किया। ■

समाज सुधारक की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
जीवन का कण-कण देश को समर्पित

जगत प्रकाश नड्डा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा

आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन है। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारतीय शासन इतिहास में लगभग 20 वर्षों तक सबसे लंबे समय तक कार्य करने वाले निर्वाचित प्रमुख के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जिन्होंने आम जनता से न केवल राजनीतिक रिश्ता, अपितु एक भावनात्मक संबंध भी स्थापित किया है। इसलिए जब अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सर्वे में मोदीजी दुनिया के सबसे लोकप्रिय जननेता चुने जाते हैं तो भारतीयों को इस पर तनिक आश्चर्य नहीं होता, क्योंकि वह हर हिंदुस्तानी के दिल में रचे-बसे हैं। मोदीजी केवल हमारे प्रधानमंत्री ही नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दे उठाने और जनसहयोग से उनका समाधान निकालने वाले समाज सुधारक भी हैं। खुले में शौच से मुक्ति, स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण और नमामि गंगे अभियान की सफलता इसके प्रमाण हैं। वह बच्चों के पथ-प्रदर्शक हैं तो उन्हें प्रेरित करने वाले गुरु भी। उनका समग्र सार्वजनिक जीवन बेदाग और निष्कलंक रहा है। वह एक राजर्षि की भांति हैं, जो सदैव समाज के उत्थान और देश के कल्याण के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहते हैं।

सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से दुनिया को कड़ा संदेश

क्या देशवासियों ने कभी कल्पना की थी कि अनुच्छेद-370 और धारा-35 ए की समाप्ति हो सकती है? 5 अगस्त, 2019 को मोदीजी की दृढ़ इच्छाशक्ति से यह संभव हुआ और जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण से सही मायनों में 'एक देश, एक संविधान' की स्थापना हुई। आतंकवाद को लेकर पूर्ववर्ती सरकारें कोई निर्णायक फैसला नहीं ले पाती थीं, मगर मोदीजी ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से दुनिया को कड़ा संदेश देकर जताया कि भारत अब बदल गया है और अपनी सरहदों और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए वह कोई भी कदम उठा सकता है। इसका ही परिणाम है कि पिछले सात वर्षों के दौरान देश में आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है और देश शांति एवं समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ा है। लाल बहादुर शास्त्रीजी के बाद मोदीजी एकमात्र ऐसे जननेता हैं, जिनके एक आह्वान पर पूरा देश एकजुट हो जाता है। कोरोना काल में उनके हर निर्देश पर जनता ने शत-प्रतिशत अमल किया। इससे हमें कोविड महामारी पर अंकुश लगाने में मदद मिली। उनके एक आह्वान पर समृद्ध लोगों ने सब्सिडी छोड़ दी। राष्ट्र सेवा के लिए पीएम केयर्स फंड को भर दिया। उनके आह्वान ने वैज्ञानिकों को देश में ही कोविड का टीका बनाने का मंत्र दे दिया। उन्होंने देशवासियों के मन से टीकाकरण को लेकर हिचक भी दूर की।

मोदीजी ने देश की सोच के स्तर को उठाया

2014 से पहले राजनीतिक दलों के घोषणापत्र जनता को छलने का काम करते थे, लेकिन मोदीजी के शासनकाल में भाजपा के चुनावी घोषणापत्र की प्रत्येक पंक्ति सरकार का कर्तव्य और लक्ष्य बनती गई। जनता समझ गई है कि भाजपा उससे कोई झूठे वादे नहीं करती। मोदीजी ने देश की सोच के स्तर को उठाया है। उन्होंने राजनीतिक कार्य-संस्कृति की काया ही

पलट दी। भारतीय राजनीति को जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण के दानव से मोदीजी ने मुक्ति दिलाई है। उनके नेतृत्व में विकासवाद की विशिष्ट राजनीतिक संस्कृति स्थापित एवं प्रतिष्ठित हुई है, जिसने देश मे राजनीति की दशा-दिशा बदल दी है। परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए उन्होंने 'प्रगति' जैसी निर्णायक पहल की है। इससे कई दशकों से लंबित परियोजनाओं को गति मिलने के साथ ही अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिली है। इससे परियोजनाओं में देरी के कारण उनकी लागत में होने वाली वृद्धि पर भी अंकुश लगा है।

मोदीजी का कण-कण देश को समर्पित

मोदीजी असाधारण वक्तृत्व कला, करिश्माई व्यक्तित्व, ईमानदार छवि, त्वरित निर्णय क्षमता, स्पष्ट दूरदृष्टि, अनुशासित जीवन, धैर्यशीलता, नेतृत्व कुशलता, विनम्रता और देश एवं नागरिकों के लिए कुछ भी कर गुजरने की प्रेरणा के पर्याय

शेष पृष्ठ ११ पर...

भारत के लिए वरदान हैं नरेन्द्र मोदीजी

डॉ. रमन सिंह
भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं
पूर्व मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने सार्थक जीवन के 71 वर्ष पूरे कर रहे हैं। विभिन्न दायित्वों पर काम करते हुए लगभग ढाई दशकों से दर्जनों बार मोदीजी से अपना प्रत्यक्ष संपर्क हुआ है। अनेक बार उनका छत्तीसगढ़ आना हुआ है, वहीं मेरा भी दिल्ली, गुजरात समेत देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक कार्यक्रमों में जाना हुआ, जहां उनसे भेंट हुई। अनेक विषयों पर, विशेष रूप से समाज के वंचित तबकों के कल्याणार्थ कुछ बेहतर कर जाने की साझी चिंता हमें बार-बार एक-दूसरे को करीब लाती रही है। मुझे विशेषकर याद आ रहा है 10 अप्रैल 2014, जब लोकसभा चुनाव-प्रचार के आखिरी दिन प्रचार कार्य संपन्न कर मैं दिल्ली गया था। दिल्ली पहुंचते ही अहमदाबाद के मुख्यमंत्री निवास से फोन आया। मोदीजी ने गुजरात आ जाने का आग्रह किया। मैं तुरंत गुजरात रवाना हो गया। मुख्यमंत्री निवास में मोदीजी से लगभग दो घंटे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

हालांकि चुनाव परिणाम आने में तब काफी समय शेष था, लेकिन मैं बात करते हुए लगातार यही महसूस कर रहा था कि भारत के भावी प्रधानमंत्री से उनके सपनों, उनकी योजनाओं और देश के लिए कुछ कर गुजरने की आकांक्षाओं पर बातचीत हो रही है। मुख्यमंत्री निवास का माहौल भी ऐसा लग रहा था मानो सभी स्टाफ अब दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे हैं और चुनाव परिणाम आना सबके लिए महज़ औपचारिकता ही हो। देश के लिए बड़ी-बड़ी बातों के बीच मोदीजी ने उस दिन यह भी कहा कि उन्होंने बड़ोदरा में एक बस स्टैंड बनाया है और ऐसा ही बस स्टैंड रायपुर में भी बनता तो अच्छा होता। मोदीजी की कल्पना के अनुरूप भव्य बस स्टैंड रायपुर में बनकर जल्द ही तैयार हुआ। बड़ी-बड़ी बातों के बीच भी छोटी से छोटी चीज़ों का ध्यान रखना और कठिन संघर्षों के बाद परिणाम को लेकर आत्मविश्वास तथा निश्चिंतता मोदीजी को किसी भी अन्य व्यक्ति से अलग करता है। दृढ़ संकल्प, समावेशी सोच, आपदा में अवसर देखने की कार्यशैली के कारण वे आज विश्व पटल पर दैदीप्यमान नक्षत्र की भांति चमक रहे हैं।

मोदीजी के हृदय में सदैव गरीबों, वंचितों और किसानों का कल्याण रहा है। प्रधानमंत्री के रूप में भी उनका छत्तीसगढ़ प्रवास

बड़ी-बड़ी बातों के बीच भी छोटी से छोटी चीज़ों का ध्यान रखना और कठिन संघर्षों के बाद परिणाम को लेकर आत्मविश्वास तथा निश्चिंतता मोदीजी को किसी भी अन्य व्यक्ति से अलग करता है

लगातार होता रहा। चुनावी दौरों के अलावा वे कुल छह बार अनेक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ आए और हर बार मोदीजी ने अपनी यात्रा से प्रदेश के जनमानस पर अमिट छाप छोड़ी है। 2016 में जब वे स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करने डोंगरगढ़ आए थे, तब जब उन्हें बताया गया कि धमतरी जिले की वृद्धा कुंवरबाई ने बकरी बेचकर शौचालय बनाया है, तो उन्होंने बेहद भावुक होकर कुंवरबाई के पैर छू लिये। इसी तरह जावांगा (बस्तर) में अपने हाथ से बुजुर्ग महिला को पादुका पहनाना हो या फिर वेलनेस सेंटर के उद्घाटन के समय दिव्यांग बच्चों के साथ बैठकर कुर्सी को ही ठोककर संगीत बजाना या फिर नया रायपुर के जंगल सफारी में बाघ के साथ फोटो खिंचाना; हर बार मोदीजी ने अपनी सहजता-संवेदनशीलता से प्रदेश में इतिहास रच दिया। उनका हर प्रवास अपने आप में एक ऐसा वैशिष्ट्य रच गया जिसे हमेशा स्मरण किया जाएगा। साहस भी उनका ऐसा कि धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र जावंगा से दंतेवाड़ा तक की यात्रा उन्होंने हेलीकॉप्टर छोड़कर सड़क मार्ग से करना तय किया था। बात चाहे मुख्यमंत्री के रूप में चावल योजना की शुरुआत करने छत्तीसगढ़ आने की हो या विकास यात्रा के दौरान अम्बिकापुर प्रवास की, जहां उनके आगमन पर प्रदेश भाजपा ने लालकिला की प्रतिकृति बनाई थी, चुनाव-प्रचारों के दौरान राजनीतिक प्रवास हो या फिर अभिषेक की शादी में बाराती के रूप में पारिवारिक यात्रा पर, हर बार वे आए और उन्होंने सज्जनता और संवेदनशीलता से नई गाथा रच डाली। इससे पहले भी चाहे जब वे संगठन महामंत्री थे तब अशोक रोड में मिलना हुआ हो, या फिर डॉ. मुरली मनोहर जोशीजी के नेतृत्व में श्रीनगर लालचौक के लिए निकले तिरंगा यात्रा के प्रभारी के रूप में उनसे जम्मू में भेंट हो, ये सब आज मानस पटल पर किसी चलचित्र की भांति सजीव हो रहे हैं।

मोदीजी ने मजबूत राष्ट्र की संकल्पना को पूरा करने का उदाहरण सर्जिकल स्ट्राइक करके दिया। चीन अब आंखें नहीं दिखाता। दुनिया जान गई है कि यह नया भारत है। कश्मीर से धारा 370 और 35ए की समाप्ति कर उन्होंने डॉ. श्यामाप्रसाद मुकर्जीजी के सपने को पूरा किया। उनके प्रयासों से पूर्वोत्तर राज्यों के साथ कश्मीर भी उन्नति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में विदेशों में भी भारत का डंका बजा। कई देशों से आज भारत ने जो मजबूत संबंध स्थापित किया है, उसमें प्रधानमंत्रीजी का संवाद, साझेदारी और सक्रियता का योगदान उल्लेखनीय है। वर्षों से शोषण की शिकार हो रही मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाकर उन्होंने एक कुप्रथा का अंत

कर दिया। वहीं, अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर उन्होंने प्रभु श्रीराम के हर भक्त का साधुवाद प्राप्त किया।

नरेन्द्र मोदीजी के प्रधानमंत्री पद की कमान संभालने के बाद भारतीय जनता पार्टी का भी ऐतिहासिक विस्तार हुआ। पूर्वोत्तर से पश्चिम और दक्षिण भारत तक भाजपा ने अकल्पनीय उपलब्धियां हासिल की। पार्टी ने एक-एक कर देश के 19 राज्यों में परचम फहरा दिया। इसके साथ ही उन्होंने देश को नए सिरे से गढ़ना प्रारंभ किया। पहली बार जब वे 15 अगस्त के दिन लालकिले की प्राचीर से देश में स्वच्छता अभियान की शुरुआत करने की घोषणा कर रहे थे तो लोगों को लगा कि यह असंभव है लेकिन जैसे-जैसे यह अभियान आगे बढ़ता गया, यह आंदोलन का रूप लेता गया और आज यह लोगों की आदत में आ गया है। मोदीजी की प्रत्येक योजना के पीछे एक दूरदर्शी सोच होती है, उनकी योजनाओं का प्रभाव कहां तक पड़ेगा इसे सिर्फ वही जानते हैं, चाहे वह 'उज्ज्वला योजना' हो, 'आत्मनिर्भर भारत' हो, 'आयुष्मान भारत' योजना हो, 'अटल पेंशन योजना' हो या अन्य योजनाएं। शुरुआत में असंभव सी लगती इन योजनाओं ने बाद में कीर्तिमान रचा है।

मोदीजी के नेतृत्व में आज देश आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्रीजी ने "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" का मूलमंत्र देकर भारत के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास को ले जाने का काम किया है। 80 करोड़ गरीबों को राशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला जैसी योजनाएं बनाकर देशवासियों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया। किसान सम्मान निधि योजना, बीमा योजना, कृषि अधोरचना एवं विभिन्न फसलों के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी कर अन्नदाताओं के चेहरे पर मुस्कान ला दी।

जब पूरी दुनिया के साथ भारत में भी कोरोना संकट गहराया तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी ने संकटमोचक बनकर देश को बचा लिया। विपरीत परिस्थितियां होने के बाद भी सभी राज्यों को ऑक्सीजन, दवाई, वेंटिलेटर आदि की व्यवस्था की। उनकी ही सजगता का परिणाम था कि देश ने इतने कम समय में दो स्वदेशी कोरोना वैक्सीन का निर्माण कर लिया और आज 75 करोड़ देशवासियों को फ्री वैक्सीन लगाई जा चुकी है। कोरोना और लॉकडाउन में कई आर्थिक चुनौतियां होने के बाद भी लाखों करोड़ रुपए का पैकेज दिया, स्ट्रीट वेंडर, फ्री राशन जैसी कई योजनाएं चलाईं जिससे देशवासियों के जीवन की गाड़ी पटरी पर लौट सके। मुश्किलों से देश को कैसे बाहर निकाला जा सकता है, यह मोदीजी ने कर दिखाया। मेक इन इंडिया, 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान चलाकर उन्होंने बता दिया कि देश मजबूत और सही हाथों में है।

इक्कीसवीं सदी में उत्पन्न चुनौतियों के बीच भारत के पास नरेन्द्र भाई दामोदादर दास मोदी के रूप में एक इतना सशक्त नेतृत्व होना वास्तव में ईश्वर का दिया किसी वरदान से कम नहीं है। ■

पृष्ठ २० का शेष भाग...

हैं। वह सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन के अनुकरणीय अलंकार हैं। त्वरित निर्णय लेने की उनकी खूबी उन्हें अनिर्णय के शिकार अधिकांश नेताओं से अलग करती है। चाहे 'मेड इन इंडिया' वैक्सीन की बात हो या मेडिकल आक्सीजन की या फिर सक्रिय विदेश नीति या आतंक के खिलाफ आवश्यक प्रहार, हम उनकी निर्णय क्षमता के कायल हैं। हाल में ओलिंपिक एवं पैरालिंपिक में मिली सफलता में भी उनके फैसलों की छाप दिखती है। मोदीजी का कण-कण और जीवन का क्षण-क्षण देश के गांव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, युवा एवं महिलाओं के कल्याण के लिए समर्पित है। कोरोना काल में लगातार दूसरे वर्ष 80 करोड़ लोगों को उन्होंने मुफ्त अनाज मुहैया कराया। 55 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख रुपये सालाना का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है। मामूली प्रीमियम पर जीवन बीमा और दुर्घटना बीमा मिल रहा है। देश के 12 करोड़ किसानों को सालाना 6,000 रुपये की राशि मिल रही है। हर गरीब को घर और उस घर में पानी, बिजली, गैस सिलिंडर और शौचालय मिल रहा है। उनके नेतृत्व में दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान चल रहा है। देश में 75 करोड़ लोगों को टीके की खुराक इसका स्पष्ट प्रमाण है। पूरी दुनिया इसकी प्रशंसा कर रही है।

सबको साथ में लेकर चलने में यकीन रखते हैं पीएम मोदीजी

अपने जीवन का प्रत्येक दिन मोदीजी देश को समर्पित करने के उद्देश्य के साथ जीते हैं। इसके लिए वह योग से ऊर्जा लेते हैं। उनकी ऊर्जा और फिटनेस हम सभी को प्रेरित करती है। जनता से सीधे जुड़ाव के लिए ही उन्होंने mygov.com वेबसाइट शुरू की। 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से वह जनता से संवाद करते हैं और लोगों के अनुकरणीय कार्यो की सराहना भी करते हैं। उनकी सफलता का एक बड़ा रहस्य यह भी है कि वह कड़ी मेहनत करते हैं और सबको साथ में लेकर चलने में यकीन रखते हैं।

मोदीजी का लक्ष्य भारत को विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित करना

भाजपा मोदीजी के जन्मदिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाती आई है। उनके नेतृत्व में भाजपा का मूल मंत्र– सेवा ही संगठन है। आज के दिन भी हमारे कार्यकर्ता देश के कोने-कोने में विभिन्न प्रकल्प चला रहे हैं। मोदीजी का एकमात्र लक्ष्य भारत को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करना है। हमें उनके इस लक्ष्य की पूर्ति में अपना योगदान देना चाहिए। ■

झारखंड को योजनाओं का लांचिंग पैड बनाने वाले कर्मयोगी

रघुवर दास
भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं
पूर्व मुख्यमंत्री, झारखण्ड

भारतीय राजनीति के देदीप्यमान नक्षत्र श्री नरेन्द्र मोदी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के शलाका पुरुष हैं। उनके राष्ट्रवाद की अवधारणा में स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की सूक्तियों, उक्तियों से लेकर लाल-बाल-पाल (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और विपिन चंद्र पाल) के सिद्धांतों और गांधी-पटेल के विचारों के साथ-साथ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और श्री अटल बिहारी वाजपेयी की नीतियों, कार्यक्रमों का अद्भुत सम्मिश्रण है। यही कारण है कि 'अहर्निशम् सेवामहे' के संकल्प के साथ मां भारती की आराधना में तल्लीन यह सेवक देश, समाज के पिछड़े क्षेत्रों वंचितों, दलितों, आदिवासियों के उत्थान के लिए सदैव नये कार्यक्रम तथा योजनाओं के साथ गतिशील रहता है। अपने राज्य को ही उदाहरणस्वरूप देख लीजिए। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदीजी करीब एक दर्जन बार (चुनावी दौरे को छोड़कर) झारखंड पधार चुके हैं और जब भी आएं हैं, इस राज्य के विकास के लिए नई योजनाओं की सौगात देकर गये हैं। कई राष्ट्रीय योजनाओं की लॉचिंग तो उन्होंने झारखंड से ही की है। यानी झारखंड को ही उन्होंने लॉचिंग पैड बनाया है।

दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर योजना तथा केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'आयुष्मान भारत' का शुभारंभ 23 सितंबर, 2018 को रांची में ही कर्मयोगी श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। हमारी भारतीय परंपरा की धरोहर योग को अंतरराष्ट्रीय फलक पर स्थापित कराने वाले मोदीजी ने 21 जून, 2019 को रांची के ही प्रभाततारा मैदान में 'योग दिवस' के सफल आयोजन में उपस्थित होकर स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मानसिकता का व्यावहारिक पाठ पढ़ाया। आज 'आयुष्मान भारत' योजना से गरीबों और पिछड़े लोगों को कितना फायदा हो रहा है, इसका अनुमान लगाने लिए उन करोड़ों लोगो से संपर्क करना होगा, जो असाध्य बीमारियों से जूझ रहे थे और जिनका जीवन इलाज के अभाव में दूभर हो गया था। इसी तरह योग ने भारतीय समाज की जीवन शैली में उल्लेखनीय परिवर्तन का संकेत दिया है। लोग योग के प्रति सहज भाव से उत्सुक दिखते हैं। 02 अक्टूबर 2015 को मोदीजी ने खूंटी कोर्ट परिसर में लगाये गये सोलर प्लांट का उदघाटन किया। सौर ऊर्जा से संचालित होने वाला देश का पहला व्यवहार न्यायालय खूंटी ही बना। यह वैकल्पिक ऊर्जा के प्रति प्रधानमंत्रीजी की लगन और पहल का ही प्रतिफल था। उसी दिन प्रधानमंत्रीजी ने दुमका से 'मुद्रा योजना' की झारखंड में औपचारिक शुरुआत की। आज इस महती योजना का लाभ उठाकर देशभर के हुनरमंद तथा परिश्रमी युवक-युवतियां स्वयं तो अपनी रोजी कमा ही रहे हैं, दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं।

साहेबगंज का मल्टी मॉडल पोर्ट अब ऐसा जल मार्ग बन गया है जो दुनिया को झारखंड से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। इस एतिहासिक पोर्ट का शिलान्यास प्रधानमंत्रीजी ने अप्रैल, 2017 में किया और 12 सितंबर, 2019 को उद्घाटन भी कर दिया। दरअसल मोदीजी के राज में योजनाएं समय से ही पूरी की जाती हैं। केवल शिलाओं का पूजन ही नहीं होता है, सृजन का कार्य भी निर्धारित समय में पूरा किया जाता है। यही मोदीजी का ध्येय है और इसके लिए वह आवश्यक पाथेय की भी व्यवस्था करते हैं। जिस दिन साहेबगंज मल्टी मॉडल पोर्ट का उदघाटन हुआ, उसी दिन जनजातीय क्षेत्रों में खोले जा रहे एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, किसान मानधन योजना और खुदरा व्यवसायिक एवं स्वरोजगार पेंशन योजना का श्रीगणेश भी हुआ। प्रधानमंत्रीजी ने 17 फरवरी 2019 को हजारीबाग में आयोजित कार्यक्रम में हजारीबाग, दुमका और पलामू में मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन किया। साथ ही हजारीबाग, पलामू, दुमका तथा जमशेदपुर में 500 बेड वाले अस्पतालों की आधारशिला भी रखी। रामगढ़ तथा हजारीबाग में ग्रामीण जलापूर्ति की चार योजनाओं की आधारशीला भी रखी गयी। उसी दिन पूर्वी भारत में अपनी तरह का पहला और देशभर के तीसरे महिला अभियंत्रण महाविद्यालय का उद्घाटन भी हुआ। झारखंड विधानसभा के नये भव्य भवन का उद्घाटन 12 सितंबर, 2019 को यशस्वी प्रधानमंत्रीजी के कर कमलों से संपन्न हुआ। पहले हमारी विधानसभा किराये के भवन में चलती थी। 39 एकड़ में फैले हुए इस नये विधानसभा भवन की आभा आलौकिक है।

प्रधानमंत्रीजी का मानना और कहना है "क्रियासिद्धिः सत्त्वे भवति महतां नोपकरणे" यानी क्रिया की सिद्धि सत्व (संकल्प) से होती है, केवल उपकरणों से नहीं। इसलिए प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदीजी ने हर क्षेत्र में देश को परम वैभवशाली बनाने के लिए प्राण प्रण से काम किया। आलोचनाओं, बाधाओं से बेपरवाह "मा फलेषु कदाचन्" को आत्मसात करते हुए माननीय प्रधानमंत्रीजी ने देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा से लेकर आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक विकास के नये प्रतिमान गढ़े हैं। जहां तक झारखंड की बात है, मोदीजी का इस राज्य के प्रति विशेष लगाव-जुड़ाव है। हो भी क्यों नहीं, झारखंड का गठन श्रद्धेय अटलजी ने किया है, जो इसे पुष्पित, पल्लवित और छतनार बनाने का दायित्व मोदीजी का तो है ही। इसलिए वह जब भी झारखंड आते हैं, कुछ देकर ही जाते हैं। वे केवल डपोरशंखी घोषणाएं नहीं करते हैं। मां भारती की अहर्निश सेवा में जुटे निष्काम कर्मयोगी, अथक परिश्रमी नरेन्द्र मोदीजी को उनके जन्मदिवस पर अशेष शुभकामनाएं। वे इसी सक्रियता, तन्मयता के साथ सुदीर्घ स्वस्थ जीवन जीते हुए हम सब के प्रेरणास्रोत तथा मार्गदर्शक बने रहें, यही बाबा बैद्यनाथ और मां पार्वती से प्रार्थना है। ■

एक दूरदर्शी नेतृत्वः नरेन्द्र मोदी

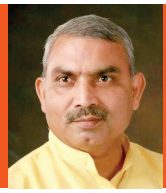

शिव प्रकाश
राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन), भाजपा

17 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस देश मना रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाने की परंपरा प्रारंभ की है। भारतीय जनता पार्टी के असंख्य कार्यकर्ता एवं समर्थक चिकित्सालयों में मरीजों की सेवा, फल वितरण, वृक्षारोपण, कुष्ठ आश्रमों, जनजाति एवं अनुसूचित वर्गों के छात्रावासों में तथा मलिन बस्तियों में तरह-तरह के सेवा कार्य करते हैं। इस वर्ष भी वे इस कार्य को करेंगे। संपूर्ण विश्व में कोरोना महामारी का संकट अभी भी विद्यमान है। प्रथम एवं द्वितीय लहर आकर जा चुकी है। तृतीय लहर के आने की संभावना खत्म नहीं हुई है। भारतीय जनता पार्टी ने कोरोना की तीसरी लहर की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान (National Health Volunteers Campaign) प्रारंभ किया है। जिसमें अभी तक लगभग 7 लाख वालंटियर्स का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। 17 सितंबर को यह सभी स्वयंसेवक भी वैक्सीनेशन कराने में सहयोग करेंगे।

जब कभी हम किसी राजनीतिक नेता के संबंध में मूल्यांकन करते हैं तब उसका मूल्यांकन उसने कितने चुनाव जीते अथवा जिताए इसी के आधार पर करते हैं। राजनीतिक नेता भी अपनी सफलता को पाने के लिए इसी गुणा भाग में लगे रहते हैं। वास्तव में इतना मूल्यांकन पर्याप्त नहीं है। नेतृत्व द्वारा समाज को दिशा, जनता में गुण संवर्धन एवं भविष्य की चुनौतियों से लड़ने योग्य दिशा दी अथवा नहीं, यह भी मूल्यांकन का आधार होना चाहिए। इसी कसौटी के आधार पर हम अनेक ऐसे महापुरुषों को स्मरण करते हैं जो अपने उपरोक्त गुणों के कारण आज भी समाज में स्मरणीय है।

2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास के लिए, गरीबों के उत्थान के लिए एवं देश की अन्तर्बाह्य सुरक्षा जैसे अनेक विषयों को केंद्रित कर योजनाएं प्रारंभ की है। जो आज समाज के लिए लाभकारी भी सिद्ध हुई है। मोदीजी देश में सुशासन के प्रतीक बन गए हैं। इन सबसे अलग जिन विषयों के लिए उनका कार्यकाल एवं उनका दूरदर्शी नेतृत्व सदैव प्रेरणादायक रहेगा, उन विषयों को वोट की तराजू पर नहीं तौला जा सकता। चुनाव की जीत हार के भय के बिना साहसिक एवं युगांतकारी निर्णय लेना एवं उनको क्रियान्वित कराना मोदीजी जैसा साहसी व्यक्ति ही कर सकता है। समाज में जागरूकता, भविष्य की चुनौतियों से लड़ने योग्य समाज खड़ा करना एवं भारतीय लोकतंत्र में पनपने वाले संभावित दोषों को समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री मोदीजी को लंबे समय तक स्मरण किया जाएगा।

समाज जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में देशहित के लिए कार्य करने वाले श्रेष्ठ महानुभावों को प्रोत्साहन एवं प्रेरणा देने के लिए पद्म पुरस्कारों की परंपरा है। प्रतिवर्ष महामहिम राष्ट्रपति द्वारा इन पुरस्कारों को दिया जाता है। हम सभी को अनुभव आता था कि धीरे-धीरे इस व्यवस्था में क्षरण आ रहा है। दल का समर्थन, किसी एक निश्चित विचार एवं तरह-तरह के प्रलोभनों के माध्यम से पद्म पुरस्कार प्राप्त किए जा सकते हैं, यह धारणा समाज मे पनप रही थी। प्रधानमंत्री मोदीजी ने अच्छे एवं समाज को दिशा देने वाले कार्य करने वाले सज्जन पुरुषों को पद्म पुरस्कारों के लिए चयन करने की परम्परा प्रारम्भ की। इस कारण सुदूर उत्तर पूर्वांचल हो अथवा देश का ग्रामीण एवं जनजाति क्षेत्र हो, ऐसे क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को अब पद्म पुरस्कार मिल रहे हैं। सहसा जब पद्म अवार्डी को उसके चयन होने की सूचना मिलती है, उसको भी आश्चर्य होता है। जब नंगे पैर, सामान्य सी धोती पहनकर महामहिम राष्ट्रपति से पुरस्कार लेने कोई महिला आती है तो देखकर देश भी विस्मित हो जाता है।

हम अनेक देशों के उदाहरण पुस्तकों एवं संस्मरणों के माध्यम से पढ़ते अथवा सुनते हैं कि वहां बड़ा दायित्व सम्हालने वाले एवं सामान्य नागरिक सभी समान हैं। वहां वीआईपी कल्चर नहीं है। ठीक इसके विपरीत भारत में कौन कितना बड़ा वीआईपी है, इसकी होड़ मची है। व्यवस्था के विपरीत सुविधा प्राप्त करना ही बड़े होने का लक्षण हो गया है। श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं मेट्रो ट्रेन में चलकर इसका संदेश दिया कि हम सब देश के सेवक हैं, इस कारण सामान्य हैं। आज चेक पोस्ट एवं टोल प्लाजा पर टोल न देने के लिए संघर्ष एवं नेता के लिए ट्रेन अथवा हवाई जहाज का विलंब होना केवल कहानियां मात्र रह गई है। राजनीतिक नेतृत्व में विशेष होने के स्थान पर सामान्य होने का भाव जगना देश को दूरगामी दिशा देगा।

हम प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी के उस वाक्य को सुनते हैं कि दिल्ली से हम यदि 1 रुपया विकास कार्य के लिए भेजते हैं तो लाभार्थी तक 15 पैसे पहुंचता हैं। देश की व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार पर यह उनकी कष्टदायक टिप्पणी है। ऐसी सभी बातों को सही सिद्ध करने के लिए राजनीतिक दल एवं नेता यह भी कहते हैं कि राजनीति में सब चलता है। मोदीजी ने सब चलता है, इसको अस्वीकार कर जो चलने योग्य है वही चलेगा, इसको स्थापित किया। भ्रष्टाचार देश का सबसे बड़ा दुश्मन है यह नहीं चलेगा, इस सिद्धांत को स्थापित किया। तकनीकी का उपयोग कर आज 1 रुपया भेजते हैं तो 1 रुपया ही पहुंचता है यह सिद्ध किया। डीबीटी स्कीम के लागू होने से धन

की बड़ी बचत, फर्जी योजनाओं एवं गलत आंकड़ों को चिन्हित करके धन की बर्बादी को रोकना एवं लाभार्थी तक उचित लाभ पहुंचाने मे सफलता प्राप्त की है। ईमानदारी से सरकार चलाई जा सकती है एवं और अधिक प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा बनाई भी जा सकती है यह सिद्ध किया।

हम सभी लोकमान्य तिलक को गणेश उत्सव, महात्मा गांधी जी को अछुतोद्धारक के रूप में जानते हैं। इन महापुरुषों ने स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व करते हुए भी समाज को जागृत करने के लिए समाज हित के इन उपक्रमों को प्रारंभ किया। भविष्य में हमको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा अथवा विश्व के प्रगतिशील देशों की तुलना में आने के लिए हमारे समाज में किन गुणों की आवश्यकता है इसका अचूक मार्गदर्शन 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। उनकी 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना', 'नमामि गंगे' एवं लोकप्रिय 'स्वच्छता अभियान' इसी के उदाहरण हैं। जन्म दर से लेकर सेना एवं अंतरिक्ष तक मातृशक्ति की भागीदारी एवं सम्मान स्तुत्य है। केवल गंगा ही नहीं देश की समस्त नदियां एवं जल के प्रति हमारा उचित दृष्टिकोण देश में विकसित हुआ है। स्वच्छता अभियान का परिणाम हम सभी सर्वदूर अनुभव कर रहे हैं। सामान्य नागरिकों से लेकर छोटे बच्चों तक के मन में भारत को स्वच्छ रखना है, यह जागरूकता आयी है। वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता जैसे कार्यक्रमों ने मोदीजी को 130 करोड़ लोगों का नायक बना दिया है। दलगत, जातिगत, क्षेत्रगत भावों से ऊपर उठकर संपूर्ण समाज उनके नेतृत्व में इन विषयों को लेकर सक्रिय है। भारत माता को हमको गन्दी करने का अधिकार नहीं है, उनका यह आह्वान समाज में व्यवहारिक देश भक्ति जगाता है।

'आत्मनिर्भर' भारत ही आर्थिक दृष्टि से समृद्ध एवं देश में रोजगार सृजन का माध्यम हो सकता है। इस आत्मनिर्भरता के मंत्र को साकार करते हुए उन्होंने खादी के उपयोग का आह्वान किया। रक्षा क्षेत्र के उपकरण अपने देश में बनाने की प्रेरणा दी। कोरोना कालखंड में हमने विश्व के अनेक देशों को दवाई एवं स्वास्थ्य सेवा संबंधी उपकरण दिए। जिलों के छोटे-छोटे उत्पादों को प्रोत्साहन आदि के माध्यम से भारतीय हुनर को आगे लाने का प्रयास किया। जनजाति शिल्प को आगे बढ़ाया। वर्ष भर में सभी एक बार खादी वस्त्र अवश्य खरीदें इसका आह्वान किया, इसका परिणाम हुआ खादी क्षेत्र में लगे कर्मचारियों के चेहरे पर मुस्कान आ गयी। विकास की दिशा को निर्धारित करते हुए गरीब एवं पिछड़ों को विकास के केंद्र बिंदु में लाने का प्रयास किया। आज मोदी सरकार की उज्ज्वला, प्रधानमंत्री आवास जैसी अनेक योजनाएं विकास गाथा को कह रही है। जिन घरों में बिजली नहीं पहुंची थी वहां भी विद्युतीकरण संपन्न हो गया। हर घर को पीने योग्य जल 'हर घर, नल से जल' योजना पर कार्य चल रहा है। विकास की दौड़ में छूटे जिलों को चिन्हित कर उनका विकास इस पर ध्यान केंद्रित है। प्रधानमंत्री मोदीजी स्वयं इसकी समीक्षा करते हैं। आकांक्षी इस योजना से पिछड़े जिले विकसित जिलों की बराबरी का प्रयास कर रहे हैं। इसका परिणाम है कि अब समस्त दलों में चुनाव का एजेंडा दबंगता, जाति, संप्रदाय से हटकर विकास बन रहा है। गरीब एवं पिछड़ों को लगता है मोदीजी हमारे मसीहा हैं।

देश की अन्तर्बाह्य सुरक्षा को आधार मानते हुए आतंक पर जीरो टॉलरेंस एवं सीमाओं की सुरक्षा के प्रति समाज में विश्वास जगा है। नक्सलवाद प्रभावित जिलों की संख्या लगातार सीमित होते जाना सुरक्षा पर सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराता है। बंगाल एवं छत्तीसगढ़ में प्रादेशिक सरकारों द्वारा चुनाव जीतने के लिए नक्सली समूहों से समझौता समाज में चिंता खड़ी करता है। लेकिन सभी को लगता है, मोदीजी हैं तो चिंता नहीं। पाकिस्तान के द्वारा आतंक को बढ़ावा देने के बाद भी सीमाओं की सुरक्षा, आतंकियों पर प्रहार ने कश्मीर सहित देश में सुरक्षा के प्रति विश्वास जगाया है। 370 की समाप्ति के कारण कश्मीर में विकास की बयार चल पड़ी है।

भारतीय सर्व समावेशी सनातन संस्कृति के प्रति अगाध आस्था मोदीजी के जीवन का वैशिष्ट्य है। इस कारण विश्व भर मे प्रवास करते समय वह जहां भी गए उन्होंने इस को प्रकट किया है। नवरात्रि के व्रत में केवल नींबू एवं गर्म जल पर रहना, बौद्ध मंदिर, गुरुद्वारा एवं मंदिर दर्शन सदैव उनके प्रेरणा केंद्र रहे है। भारत की प्राचीन आरोग्य के लिए लाभप्रद विद्या योग एवं आयुर्वेद को उन्होंने स्थापित किया है। दुबई में मंदिर, केदारनाथजी के मंदिर को भव्यता, काशी विश्वनाथ का सौंदर्यीकरण, राम मंदिर का शिलान्यास जैसे कार्य उनको अभिनन्दनीय बनाते हैं। समाज के अनेक लोग तुलना करते हुए कहते हैं कि देवी अहिल्याबाई के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कार्यकाल सनातन भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए स्मरणीय कालखंड होगा।

विश्व के समस्त नेताओं की रेटिंग में उनका सर्वप्रथम आना, विश्व भर में फैले भारतीयों के मन में उनके प्रति अगाध श्रद्धा एवं देश के समस्त नागरिकों में उनके प्रति विश्वास प्रधानमंत्री मोदीजी को देश और दुनिया के समस्त नेताओं की श्रृंखला में विशिष्ट स्थान पर स्थापित करता है। वास्तव में मोदीजी एक राजनेता ही नहीं वह जननायक हैं, दूरद्रष्टा है, पथ प्रदर्शक हैं। उन्होंने विश्व में भारत की गरिमा को बढ़ाया है। भारत को भारतीयत्व दिया है जिसकी उन जैसे महामानव से अपेक्षा ही थी। इस अनथक योद्धा से हम भारतीय प्रेरणा लेकर सक्रिय बने। पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी ने कहा था कि 'भारत माता की जय' का अर्थ समाज जीवन के सभी क्षेत्रों में भारतीय चिंतन के आधार पर नीतियों का क्रियान्वयन है।' प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में हम सभी इस संकल्प को पूर्ण करें। ग्राम एवं बूथ से लेकर दिग-दिगंत तक भारत माता की जय का उद्घोष होना अभी शेष है। ■

भूपेंद्र पटेल ने गुजरात के नए मुख्यमंत्री के रूप में ली शपथ

श्री भूपेंद्र पटेल ने 13 सितंबर को गुजरात के नए मुख्यमंत्री के रूप में गांधीनगर स्थित राजभवन में शपथ ली। श्री पटेल (59) को एक दिन पहले भाजपा विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया था और राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें एक सादे समारोह में राज्य के 17वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलायी। राजभवन में आयोजित इस समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और कुछ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री जैसे- हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान व गोवा के मुख्यमंत्री श्री प्रमोद सावंत भी उपस्थित थे।

गुजरात सरकार के 24 नए मंत्रियों ने 16 सितंबर को राजभवन में शपथ ली। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 10 कैबिनेट मंत्रियों और 14 राज्य मंत्रियों को शपथ दिलाई, जिनमें पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री शामिल हैं। कैबिनेट मंत्रियों के रूप में सर्वश्री राजेंद्र त्रिवेदी, जीतू वघानी, ऋषिकेश पटेल, पूर्णेश मोदी, राघवजी पटेल, कनुभाई देसाई, किरीट सिंह राणा, नरेश पटेल, प्रदीप परमार और अर्जुन सिंह चौहान ने शपथ ली। ■

संक्षिप्त जीवन परिचय

- श्री भूपेंद्र पटेल का जन्म 15 जुलाई, 1962 को गुजरात के अहमदाबाद में हुआ था।
- उन्होंने अप्रैल 1982 में गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, अहमदाबाद से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त किया है।
- वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं।
- श्री पटेल 1995-96, 1999-2000 और 2004-06 में मेमनगर नगरपालिका के सदस्य रहे।
- वे 1999-2000 में मेमनगर नगरपालिका के अध्यक्ष रहे।
- वे 2008 से 2010 तक अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के स्कूल बोर्ड के उपाध्यक्ष रहे।
- वह 2015 से 2017 तक अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (AUDA) के अध्यक्ष रहे।
- वह 2017 में गुजरात विधानसभा चुनाव में 1,17,000 रिकॉर्ड मतों से जीतने विजयी हुए। वह घाटलोदिया निर्वाचन क्षेत्र से विजयी होकर गुजरात विधान सभा के सदस्य बनें।
- 12 सितंबर 2021 को श्री पटेल को सर्वसम्मति से गांधीनगर में पार्टी विधायक दल की बैठक में भाजपा विधायक दल के नेता और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया।
- उन्होंने 13 सितंबर 2021 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर भूपेंद्र भाई को बधाई। मैं उन्हें सालों से जानता हूं और उनके शानदार काम को भी मैंने देखा है, वह चाहे भाजपा संगठन में हों या स्थानीय निकाय प्रशासन में हों या फिर सामुदायिक सेवा में हों, वह निश्चित तौर पर गुजरात की विकास गाथा को और आगे बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान रूपाणी जी ने कई जन हितैषी कदम उठाए। समाज के सभी वर्गों के लिए उन्होंने अनथक काम किए। मुझे भरोसा है कि वह आने वाले समय में जन सेवा में अपना योगदान जारी रखेंगे।।

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मैं भूपेंद्र पटेल जी को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व में गुजरात की सतत विकास यात्रा की गति और तेज होगी।

- जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में समाज के वंचित वर्गों को अवगत कराएं: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जाति मोर्चा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 18 एवं 19 सितंबर, 2021 को वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में सम्पन्न हुई।

कार्यकारिणी बैठक का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने वर्चुअल माध्यम से किया। अपने उदघाट्न

भाषण में श्री नड्डा ने केंद्र सरकार द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के विकास एवं कल्याण के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का विस्तार से उल्लेख किया। श्री नड्डा ने कहा कि सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) का सर्वाधिक लाभ अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सबल बनाया है, जो बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना था। उन्होंने कहा कि भाजपा बाबासाहेब के सपनों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों से आग्रह किया कि केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की जानकारी समाज के वंचित वर्गों तक लेकर जाएं, यही बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। साथ ही, उन्होंने सभी से खूब मेहनत और लगन से समाज के बीच में जाकर काम करते हुए पार्टी का जनाधार बढ़ाने का आह्वान भी किया।

भाजपा बाबासाहेब के सपनों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल सिंह आर्य ने अपने अध्यक्षीय भाषण में 30 राज्यों से 200 से ज़्यादा की संख्या में भाग लेने आए हुए पदाधिकारियों का स्वागत किया। तत्पश्चात् काशी के डोम राजा द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के भारत के विभिन्न राज्यों के 75 संतों, विचारकों, स्वतंत्रतासेनानियों, लेखकों की एक चित्र-प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, जिनका भारत के निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रभारी श्री सी.टी. रवि, केंद्रीय संगठक श्री वी. सतीश एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

श्री आर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अनुसूचित जाति के लोगों को सिर्फ वोट-बैंक के लिए इस्तेमाल किया है, परंतु भाजपा जाति की राजनीति नहीं करती। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन से जुड़ी पांच महत्वपूर्ण जगहों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया, जो अनुसूचित जाति वर्ग के लिए गर्व और सम्मान की बात है। अनुसूचित जाति वर्ग के बच्चों के लिए विदेशों में मुफ़्त उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए 100% छात्रवृत्ति की योजना, स्टैंडअप इंडिया के माध्यम से अपना स्वरोजगार शुरू करने के लिए ऋण दिलाना और अन्य योजनाओं के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग को सशक्त बनाना बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर के सपनों को पूरा करने जैसा है।

दूसरे सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रभारी श्री सी.टी. रवि ने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए किसी ने सबसे ज्यादा काम किया है तो वो केंद्र की भाजपा सरकार ने किया है और आगे भी निरंतर करती रहेगी।

तृतीय सत्र में केंद्रीय संगठक श्री वी. सतीश ने संगठनात्मक कार्य को लेकर अपने लंबे अनुभव से सबको और तत्परता से काम करने के लिए प्रेरित किया।

चौथे सत्र में भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने अपने भाषण में अपने मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का विस्तार से वर्णन किया। इसी सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान मंच पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, मोर्चा के केंद्रीय संगठक श्री वी. सतीश, भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं सांसद श्री विनोद सोनकर, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री गुरु प्रकाश पासवान एवं मोर्चा के अन्य पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंच संचालन मोर्चा के महामंत्री महंत श्री शम्भूनाथ तुण्डिया ने किया। पांचवे सत्र में सर्वसम्मति से राजनीतिक प्रस्ताव पारित हुआ। समापन-सत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ का उद्बोधन रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं पूर्व के अन्य दलों की उपेक्षा से 16वीं सदी के अनुसूचित जाति वर्ग के योद्धा एवं महापुरुषों को भुला दिया गया था, जिनका स्मृति स्थल के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार कायाकल्प करा रही है। भाजपा, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष श्री रामचन्द्र कन्नौजिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ■

पीएलआईः 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक बड़ी पहल

विकास आनन्द

संसद में वित्त वर्ष 2021-22 का बजट प्रस्तुत करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने विनिर्माण क्षेत्र में दो अंकों की वृद्धि की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की विनिर्माण कंपनियों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का एक अभिन्न अंग बनने की जरूरत है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए 13 क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू की गई। वित्त वर्ष 2021-22 के बजट में पीएलआई (उत्पादन से जुड़ा प्रोत्साहन) के लिए लगभग 1.97 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। इस योजना के तहत सरकार द्वारा बढ़ती बिक्री पर प्रत्यक्ष प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसका मतलब है कि प्रोत्साहन उन घरेलू विनिर्माण इकाइयों को दिया जाएगा जो तय वर्ष (Base Year) से पांच साल की अवधि के लिए अतिरिक्त बिक्री करेंगी। पीएलआई योजना बढ़ते निवेश पर भी प्रदान की जाएगी।

योजना का मुख्य लक्ष्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना और निर्यात क्षमता को बढ़ाना तथा विनिर्माण में विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। यह पहल निर्यात की मात्रा को बढ़ाकर और आयात को कम करके भुगतान संतुलन में सुधार करने में भी सक्षम होगी। यह पहल सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से प्रेरित है।

इससे पहले मार्च, 2020 में पीएलआई की घोषणा तीन क्षेत्रों– ड्रग इंटरमीडिएट्स (दवा बनाने वाली सामग्री), बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और चिकित्सा उपकरणों के निर्माण में की गई थी। अतिरिक्त 10 क्षेत्रों– इलेक्ट्रॉनिक/प्रौद्योगिकी उत्पाद, दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद, खाद्य उत्पाद, घरेलू सामान, उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल, ऑटोमोबाइल और ऑटो घटक, एडवांस केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी, कपड़ा उत्पाद और स्पेशलिटी स्टील में घोषणा इस साल के बजट में की गयी थी।

इस योजना को आगे बढ़ाते हुए मोदी सरकार ने 15 सितंबर, 2021 को देश में इलेक्ट्रिक वाहन और हाइड्रोजन ईंधन-सेल वाहन निर्माण को बढ़ावा देने के लिए ऑटोमोबाइल और ड्रोन क्षेत्र के लिए 26,058 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ एक पीएलआई योजना को मंजूरी दी। ऑटोमोबाइल उद्योग और ड्रोन उद्योग के लिए पीएलआई योजना केंद्रीय बजट 2021-22 में किए गए 13 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं की समग्र घोषणा का हिस्सा है।

ऑटो सेक्टर के लिए पीएलआई योजना उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी वाहनों और उत्पादों को प्रोत्साहित करेगी और रोजगार पैदा करेगी। यह योजना अतिरिक्त 7.5 लाख रोजगार सृजित करने में सहायक होगी, इससे वैश्विक ऑटोमोटिव व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी। ऑटो और ऑटोकंपोनेंट व्यवसायों के लिए इस योजना से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) को लाभ होगा।

पिछले साल की शुरुआत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑटो विनिर्माण उद्योग के लिए 57,043 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। पीएलआई योजना को बाद में उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए संशोधित किया गया था। नव-घोषित पीएलआई योजना वित्तीय वर्ष 2023 से पांच वर्षों के लिए प्रभावी होगी और पात्रता मानदंड के लिए आधार वर्ष 2019-20 होगा। मौजूदा ऑटोमोटिव कंपनियां और नए निवेशक दोनों ही इस योजना का लाभ लेने के पात्र होंगे।

सं.	क्षेत्र	पीएलआई योजना परिव्यय
1	ऑटो कंपोनेंट	रु. 57,042 करोड़
2	ऑटोमोबाइल	रु. 57,042 करोड़
3	विमानन	रु. 120 करोड़
4	रसायन	रु. 18,100 करोड़
5	इलेक्ट्रिकल	रु. 40,000 करोड़ (बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण)
		रु. 7,325 करोड़ (आईटी हार्डवेयर)
6	खाद्य प्रसंस्करण	रु. 10,900 करोड़
7	चिकित्सा उपकरण	रु. 18420 करोड़
8	धातु और खनन	रु. 6,322 करोड़
9	दवाइयों	रु. 21,940 करोड़
10	नवीकरणीय ऊर्जा	रु. 4,500 करोड़
11	दूरसंचार	रु. 12,195 करोड़
12	कपड़ा और परिधान	रु. 10, 683 करोड़
13	घरेलू वस्तुओं (White Goods)	रु. 6,238 करोड़

इन क्षेत्रों में पीएलआई योजना भारतीय निर्माताओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगी, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करेगी, निर्यात बढ़ाएगी और भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का एक अभिन्न अंग बनाएगी।

एसीसी बैटरी निर्माण कई वैश्विक विकास क्षेत्रों, जैसे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए इक्कीसवीं सदी के सबसे बड़े आर्थिक अवसरों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। एसीसी बैटरी के लिए पीएलआई योजना देश में प्रतिस्पर्धी एसीसी बैटरी सेट-अप स्थापित करने के लिए बड़े घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करेगी। ऑटोमोटिव उद्योग भारत में एक प्रमुख आर्थिक योगदानकर्ता है। पीएलआई योजना भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगी और भारतीय ऑटोमोटिव क्षेत्र के वैश्वीकरण को बढ़ाएगी।

सरकार के आंकड़ों के अनुसार भारतीय दवा उद्योग मात्रा के हिसाब से दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य के हिसाब से 14वें स्थान पर है। यह विश्व स्तर पर निर्यात की जाने वाली कुल दवाओं का 3.5% योगदान देता है। भारत में फार्मास्यूटिकल्स के विकास और निर्माण के लिए पर्याप्त पारिस्थितिकी तंत्र और उससे संबद्ध उद्योगों का भी एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र है। पीएलआई योजना वैश्विक और घरेलू उद्यमियों को उच्च मूल्य के उत्पादन में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

दूरसंचार उपकरण का घरेलू उत्पादन एक सुरक्षित दूरसंचार बुनियादी ढांचे के निर्माण का एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक तत्व है तथा भारत दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों का उपकरण निर्माता बनने की आकांक्षा रखता है। पीएलआई योजना से वैश्विक निवेश और तकनीकी को आकर्षित करने और घरेलू कंपनियों को उभरते अवसरों का लाभ उठाने और निर्यात बाजार में बड़े खिलाड़ी बनने में मदद मिलने की उम्मीद है।

भारतीय कपड़ा उद्योग का कपड़ा और परिधान में वैश्विक निर्यात का 5% हिस्सा है, लेकिन मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) क्षेत्र में भारत की हिस्सेदारी वैश्विक उपभोग के हिसाब से कम है। पीएलआई योजना घरेलू विनिर्माण को और बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र में बड़े निवेश को आकर्षित करेगी, विशेष रूप से एमएमएफ और तकनीकी वस्त्रों में। प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग के विकास से किसानों को बेहतर कीमत मिलती है और बर्बादी कम होती है।

भारत ने पिछले एक वित्तीय वर्ष में घरेलू निर्माताओं को प्रोत्साहित करके सौर पीवी पैनलों के आयात को घटाकर 571 मिलियन डॉलर कर दिया। सुरक्षात्मक टैरिफ उपायों के अलावा सौर पीवी मॉड्यूल के लिए केंद्रित पीएलआई योजना घरेलू और वैश्विक खिलाड़ियों को भारत में बड़े पैमाने पर सौर पीवी क्षमता बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी और भारत को सौर पीवी निर्माण के लिए वैश्विक मूल्य शृंखलाओं पर कब्जा करने में मदद करेगी।

भारत में घरेलू वस्तुओं (White Goods) जैसे एयर कंडीशनर और एलईडी में अतिरिक्त वैल्यू जोड़ने और इन उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की बहुत अधिक क्षमता है। इस क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना से अधिक घरेलू विनिर्माण, रोजगार सृजन और निर्यात में वृद्धि होगी।

दैकिन, पनासोनिक, हिताची, मेततुबे, निदेक, वोल्टास, ब्लूस्टार, हवेल्ल्स, अम्बर, इपैक, उनिग्लोबस, राधिका ऑप्टो, सिसका जैसी कई कंपनियों ने एयर कंडीशनर और लेड के महत्वपूर्ण घटकों के निर्माण के लिए आवेदन किया है।

व्हाइट गुड्स (एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट) के घटकों के घरेलू निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए पीएलआई योजना के तहत कुल 52 कंपनियों ने 5,866 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ अपना आवेदन दायर किया है, जिसके लिए आवेदन 15 सितंबर, 2021 को बंद हो गए। घरेलू वस्तुओं पर पीएलआई योजना 16 अप्रैल, 2021 को अधिसूचित की गई थी। 21 फर्म एलईडी घटकों के लिए 871 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। एसी कंपोनेंट निर्माण के लिए 31 फर्मों ने लगभग 4,995 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धता जताई है। एसी के लिए भारत का वार्षिक बाजार 7 मिलियन से अधिक है, लेकिन विडंबना यह है कि इसमें से 6 मिलियन सिर्फ 25% वैल्यू एडीसन भारत में उत्पादन किए जाते हैं। पीएलआई योजना में कई गुना उत्पादन क्षमता के साथ वैल्यू एडीसन के अनुपात को 75 प्रतिशत करने की क्षमता है।

भारतीय कपड़ा उद्योग का कपड़ा और परिधान में वैश्विक निर्यात का 5% हिस्सा है, लेकिन मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) क्षेत्र में भारत की हिस्सेदारी वैश्विक उपभोग के हिसाब से कम है। पीएलआई योजना घरेलू विनिर्माण को और बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र में बड़े निवेश को आकर्षित करेगी, विशेष रूप से एमएमएफ और तकनीकी वस्त्रों में। प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग के विकास से किसानों को बेहतर कीमत मिलती है और बर्बादी कम होती है

भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश है। इस्पात मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार भारत ने 2020-21 के दौरान 10.7 मिलियन टन तैयार स्टील का निर्यात किया। भारत 170 से अधिक देशों को स्टील का निर्यात करता है। इसमें स्टील के कुछ ग्रेड में चैंपियन बनने की क्षमता है। स्पेशलिटी स्टील में पीएलआई गुणवत्ता और बढ़ाकर स्टील विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगी जिससे कुल निर्यात में वृद्धि होगी।

योजना के शुरू होने के बाद टोयोटा-त्सुशो और सुमिदा जैसी विदेशी कंपनियां भी अपनी विनिर्माण इकाइयों को भारत में स्थानांतरित करने की योजना बना रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स की बड़ी कंपनी सैमसंग ने अपनी विनिर्माण इकाई चीन से स्थान्तरण कर भारत के नोएडा में स्थापित भी कर चुका है। एक रिपोर्ट के मुताबिक करीब 1,000 कंपनियां भारत में अपने मैन्युफैक्चरिंग बेस को शिफ्ट करने के लिए विभिन्न स्तरों पर भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही हैं। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइसेज, टेक्सटाइल और सिंथेटिक फैब्रिक जैसे क्षेत्रों से संबंधित लगभग 300 कंपनियां उत्पादन योजनाओं को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही हैं।

पीएलआई योजना विदेशी फर्मों और ऋण देने वाली एजेंसियों को आकर्षित करके भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए उत्प्रेरक प्रभाव पैदा कर सकती है। पीएलआई योजना लंबे समय में एक मजबूत विनिर्माण आधार तैयार करेगी और 2024 तक भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव को और मजबूत करने में सफल होगी। ■

भारतीय टीकाकरण अभियान ने बनाए कई रिकॉर्ड

विपुल शर्मा

भारत दुनिया में सबसे बड़े, सबसे तेज और मुफ्त टीकाकरण अभियान को सफलतापूर्वक लागू कर रहा है और इस जबरदस्त टीकाकरण अभियान को लेकर भारत की कई उपलब्धियां रहीं हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर देश में एक ही दिन में 2.5 करोड़ टीके लागकर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है, जो दुनिया के किसी भी देश द्वारा दिया गया सबसे अधिक टीकाकरण का आंकड़ा है। जमीनी स्तर पर मजबूती के साथ काम कर रही हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के माध्यम से अब तक 80 करोड़ से अधिक वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी हैं। 20 करोड़ से अधिक भारतीयों को करोना वैक्सीन की दोनों खुराक दी जा चुकी है, और यह पहली बार नहीं है जब भारत ने एक दिन में एक करोड़ से अधिक खुराकें दी हैं, इससे पहले भारत ने तीन मौकों पर एक करोड़ खुराकों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है। माना जा रहा है कि मौजूदा रफ्तार से चलते हुए भारत अगले महीने तक 100 करोड़ टीकाकरण के लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

महामारी के दौरान भारत ने एक जिम्मेदार देश के रूप में अपने कर्तव्य का निर्वहन किया और न केवल दुनिया भर के 150 देशों को चिकित्सा उपकरण और आवश्यक दवाएं दीं, बल्कि हमने 95 देशों को 'मेड इन इंडिया' टीके भी उपलब्ध कराए हैं। इसके अलावा भारत ने अगस्त, 2021 में 180 मिलियन टीके लगाए हैं, यह संख्या सभी जी7 राष्ट्रों की टीकाकरण संख्या से अधिक है, जिसमें यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, इटली, जर्मनी, फ्रांस और जापान जैसे विकसित देश शामिल हैं। गोवा, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे भारतीय राज्य ने अपनी 100 प्रतिशत व्यस्क आबादी को वैक्सीन की पहली खुराक देने का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इस टीकाकरण अभियान की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि भारत इस अभियान को दो स्वदेशी रूप से विकसित और उत्पादित टीकों के साथ चला रहा है। ये टीके न केवल सुरक्षित हैं बल्कि दुनिया में अपनी प्रभावशीलता साबित भी कर चुके हैं।

भारत ने इन सभी उपलब्धियों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के असाधारण नेतृत्व में हासिल किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व की काबिलियत विश्व पटल पर विभिन्न अवसरों पर सिद्ध हुई है और वर्ष 2020 में जब कोरोना वायरस का प्रकोप हुआ, तब हम भारत द्वारा उठाए गए कई अभूतपूर्व कदमों के साक्षी बनें। ऐसा माना जाता है कि कोविड-19 जैसी महामारी सौ वर्षों में एक बार मानवता को प्रभावित करती है और ऐसी परिस्थिति से निपटने के लिए हमें लीक से हटकर सोच और कुछ असाधारण उपायों की आवश्यकता होती है जो प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रत्येक निर्णय में प्रदर्शित होती हैं। दुनिया के सबसे बड़े, सबसे तेज और मुफ्त टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ उन्हीं फैसलों में से एक था। मोदी सरकार ने भारत की आबादी को कोविड-19 महामारी से बचाने के लिए कुछ बड़े कदम उठाए हैं और इनमें से एक निर्णय स्वदेश में विकसित कोविड-19 टीकों के साथ एक निःशुक्ल टीकाकरण अभियान की शुरुआत करना था।

'मेड इन इंडिया' वैक्सीन

भारत की जनसंख्या दुनिया की आबादी का 17.7 प्रतिशत है, और इनती बड़ी आबादी के लिए वैक्सीन का उत्पादन देश के लिए एक चुनौती था, लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों ने भारत की वैक्सीन यात्रा में सराहनीय काम किया है। भारत का टीकाकरण कार्यक्रम दो टीकों के लिए आपातकालीन उपयोग के साथ शुरू हुआ, जिसमें एस्ट्राजेनेका-ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की 'कोविशील्ड', और भारत बायोटेक द्वारा विकसित स्वदेशी 'कोवैक्सिन' शामिल है। इनके अलावा, रूस की स्पुतनिक वी वैक्सीन को भी सरकार ने मंजूरी दे दी है। देश की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोविशील्ड की मासिक उत्पादन क्षमता दिसंबर, 2021 तक 120 मिलियन से अधिक और कोवैक्सिन की लगभग 58 मिलियन खुराक तक बढ़ने का अनुमान है।

विपक्ष ने टीकाकरण अभियान को पटरी से उतारने का प्रयास किया

भारत की वैक्सीन आपूर्ति नीति कई चरणों से गुजरी है। पहले तीन चरणों में स्वास्थ्यकर्मियों, अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों और 60 वर्ष से अधिक या 45 वर्ष तक की आयु के लोगों का टीकाकरण किया गया। तीनों चरणों में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों और निजी केंद्रों को टीकों की

भारत ने प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 2.5 करोड़ टीकाकरण कर विश्व रिकॉर्ड बनाया

भारत ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस यानी 17 सितंबर को पहली बार एक दिन में 2.5 करोड़ से अधिक कोविड टीकाकरण कर विश्व रिकार्ड बनाया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने ट्विटर के माध्यम से कहा, 'हर भारतीय को आज के रिकॉर्ड टीकाकरण संख्या पर गर्व होगा' और टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को धन्यवाद।

सरकार के कोविन ऐप के अनुसार इस दौरान प्रति सेकंड लगभग 434 टीकाकरण, एक मिनट में लगभग 48,000 और प्रति घंटे 15.62 लाख खुराकें दी गयी। राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान में इस बढ़ी छलांग को हासिल करने में प्रधानमंत्रीजी के 71वें जन्मदिन पर आयोजित भाजपा के तीन सप्ताह के उत्सव की अहम भूमिका रही। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि इस दिन अधिक से अधिक लोगों को कोविड टीके लगें भाजपा ने स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की एक टीम को भी तैयार किया था।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, "नया विश्व रिकार्ड! विश्व के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर आज देश में 2.25 करोड़ से अधिक कोविड वैक्सीन डोज़ देने का नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। मोदीजी के नेतृत्व में हमारे स्वास्थ्यकर्मियों ने अपनी मेहनत से दुनिया को भारत का सामर्थ्य दिखा दिया।"

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मनसुख मंडाविया ने ट्वीट कर जानकारी दी कि भारत ने 2.5 करोड़ टीकाकरण का आंकड़ा हासिल कर लिया है और कहा, "भारत को बधाई! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के जन्मदिवस पर भारत ने आज इतिहास रच दिया है। 2.50 करोड़ से अधिक टीके लगा कर देश और विश्व के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय लिखा है। आज का दिन स्वास्थ्य कर्मियों के नाम रहा।"

आपूर्ति की थी। 1 मई से भारत ने 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए टीकाकरण खोल दिया गया और राज्यों को इसके लिए स्थानीय स्तर पर बनाए गए टीकों के 25 प्रतिशत तक की खरीद करने की अनुमति दी गई; निजी अस्पतालों को भी 25 प्रतिशत खरीदने की अनुमति दी गई; और शेष 50 प्रतिशत स्वास्थ्य और फ्रंटलाइन कर्मचारियों एवं 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए रखे गए, जो केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों को प्रदान किये गये। लेकिन राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और पंजाब जैसे विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों ने केंद्र सरकार से स्वयं वैक्सीन की खरीद करने की अनुमति मांगी, जब सरकार ने राज्यों को अनुमति दी तो यह राज्य अपने राज्यों की अपेक्षित मांगों को पूरा करने में विफल रहे और डेढ़ महीने के बाद जब आपूर्ति और मांग अनुपात बेमेल होने लगा, तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जून से शुरू होने वाले 18-44 आयु वर्ग के निःशुल्क टीकाकारण की कमान अपने हाथ में लेकर, इस अभियान का शुभारंभ किया।

तीन राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों ने अपनी 100 प्रतिशत आबादी को वैक्सीन की पहली खुराक दी

महामारी की तीसरी लहर की आशंका के बीच केंद्र और राज्य सरकारों ने इस बीमारी के खिलाफ टीकाकरण अभियान को तेज करने का प्रयास किया है, जिसके परिणामस्वरूप तीन राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों ने अपनी पूरी वयस्क आबादी का शत-प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को हासिल कर लिया, इन राज्यों ने अपनी व्यस्क आबादी को वैक्सीन की पहली खुराक देने का काम किया।

हिमाचल प्रदेश सभी वयस्कों का टीकाकरण करने वाला पहला राज्य बना। इसके अतिरिक्त गोवा और सिक्किम ने भी इस लक्ष्य को हासिल किया, जबकि केंद्रशासित प्रदेश जैसे दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, लद्दाख और लक्षद्वीप ने भी इस उपलब्धि को हासिल किया।

भारत ने अगस्त में सभी जी7 देशों की तुलना में अधिक टीके दिये

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 5 सितंबर को कहा की भारत ने अपने टीकाकारण अभियान में एक और उपलब्धि को हासिल किया है, जिसके तहत भारत ने अगस्त महीने में सभी जी 7 देशों की तुलना में अधिक कोविड-19 वैक्सीन खुराक दी है। मंत्रालय ने बताया कि अगस्त के महीने में 180 मिलियन से अधिक वैक्सीन खुराक दी गयी थी। यह संख्या अगस्त, 2021 के संयुक्त राज्य अमेरिका के कुल टीकाकरण से अधिक है जो 23 मिलियन था, फ्रांस का 13 मिलियन, जर्मनी का 9 मिलियन, इटली का 8 मिलियन और यूनाइटेड किंगडम का 5 मिलियन था। ट्वीट किए गए आंकड़ों के अनुसार कनाडा ने क्रमशः सबसे कम 3 मिलियन खुराकें और जापान ने अधिकतम 40 मिलियन खुराक दी है।

इन आंकड़ों के अनुसार भारत सरकार ने अब तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 66.89 करोड़ (66,89,80,635) से अधिक निःशुल्क वैक्सीन खुराक प्रदान की हैं। इसके अलावा 1.56 करोड़ से अधिक खुराक और दी जा रही हैं। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तौर पर भारत सरकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को मुफ्त में कोविड टीके उपलब्ध कराकर उनका समर्थन कर रही है।

कोविड-19 महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई अब तक बहुत सफल रही है और इस लड़ाई में टीकाकरण अभियान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत न केवल अपने नागरिकों के लिए वैक्सीन का उत्पादन कर रहा है, बल्कि मानवीय आधार पर अन्य देशों की भी मदद कर रहा है। जैसे-जैसे नए भारतीय टीके विकसित होंगे, भारत को उम्मीद है कि मौजूदा टीकों की उत्पादन क्षमता में और वृद्धि होगी और जैसे-जैसे हमारा उत्पादन बढ़ेगा, भारत फिर से वैक्सीन निर्यात करने का फैसला लेगा। पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का यही विजन है। ■

कार्यकर्ता कोविड टीकाकरण अभियान को अत्यधिक सफल बनाएं : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 10 सितंबर, 2021 को 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान' की सफलताओं पर मीडिया को संबोधित किया और रिकॉर्ड समय में इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी भारतीय जनता पार्टी और 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान' की टीम को बधाई दी। प्रस्तुत है इसके प्रमुख अंश:

- 28 जुलाई, 2021 को मैंने देशभर के दो लाख गांवों से कम से कम 4 लाख स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य के साथ 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान' शुरू किया था।
- 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान' के तहत हमने केवल 43 दिनों में 6,88,000 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया है। इस अद्भुत उपलब्धि के लिए मैं पूरी भारतीय जनता पार्टी और 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य स्वयंसेवक अभियान' की टीम एवं मेरे सहयोगियों को हार्दिक बधाई देता हूं, जिन्होंने इसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया है।
- हमारे सभी स्वास्थ्य स्वयंसेवकों को अन्य कौशलों के अलावा एंटीजन परीक्षण, रक्तचाप प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया है जो एक कोरोना रोगी की पहचान करने और उन्हें बुनियादी उपचार देने के लिए आवश्यक हैं। जल्द ही हमारे स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की संख्या 8 लाख को पार कर जाएगी, जिससे कोरोना महामारी से निपटने में स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की हमारी टीम को और मजबूत किया जा सकेगा।

- भारतीय जनता पार्टी हर साल हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाती है, और इस साल 17 सितंबर को हम टीकाकरण अभियान को नए आयाम देंगे और एक नया मानदंड स्थापित करेंगे।
- मैं भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता से आग्रह करूंगा कि 17 सितंबर को वे यह सुनिश्चित करें कि जो कोई भी उनके बूथ पर टीकाकरण से वंचित रह गया है, वह अपने निकटतम टीकाकरण केंद्र में टीकाकरण करवाए। भाजपा कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी को बिना किसी देरी के टीका लगाया जाए।
- 17 सितंबर को हम इस टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए पूरी तैयारी के साथ निकलेंगे। यह भाजपा के हर कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि पूरे भारत में चलाए जा रहे इस बड़े टीकाकरण अभियान से कोई न छूटे।
- अपने टीकाकरण अभियान को अत्यधिक सफल बनाने के लिए मैं 11 सितंबर को भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को एक संदेश भेजूंगा। 13 सितंबर को मैं सभी भाजपा प्रदेश अध्यक्षों और संगठनात्मक महासचिवों के साथ मेगा टीकाकरण अभियान की तैयारियों पर चर्चा करूंगा। 15 सितंबर को मैं उन सभी स्वास्थ्य स्वयंसेवकों के साथ बातचीत करूंगा, जिनकी संख्या तब तक 7 लाख को पार कर चुकी होगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि हम बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान को अत्यधिक सफल बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और कोई भी नागरिक बिना टीकाकरण के नहीं रहना चाहिए।
- आज हमारे पास प्रशिक्षित स्वास्थ्य स्वयंसेवकों का कार्यबल देश और राज्यों के स्वास्थ्य विभागों के विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सफल बनाने में मदद कर रहा है। हम इस दिशा में कार्यक्रम और नीतियां भी बनाएंगे, ताकि हमारे प्रशिक्षित स्वास्थ्य स्वयंसेवकों का अधिकतम उपयोग हो सके।
- भारत ने अपने अत्यधिक सफल कोविड टीकाकरण अभियान में विभिन्न विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। भारत का कोविड टीकाकरण अभियान दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे तेज टीकाकरण अभियान है। भारत आज तेजी से अपने नागरिकों का टीकाकरण कर रहा है और अपने टीकाकरण अभियान में विभिन्न देशों की मदद भी कर रहा है।
- मैं भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि वे कोविड टीकाकरण अभियान को अत्यधिक सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक प्रयास करें। पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को देशभर के लोगों को जल्द से जल्द टीका लगवाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। ■

गोवा सिर्फ इस देश का एक राज्य भर नहीं है, बल्कि यह ब्रांड इंडिया की एक मजबूत निशानी भी है: नरेन्द्र मोदी

'डबल इंजन की सरकार' गोवा के पर्यटन क्षेत्र को आकर्षक बनाने और राज्य के किसानों व मछुआरों को ज्यादा सुविधाएं देने प्रयासों को मजबूती दे रही है

गत 18 सितंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा में वयस्क आबादी को पहली खुराक की शत-प्रतिशत कवरेज के लिए एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गोवा के स्वास्थ्यकर्मियों और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लाभार्थियों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गोवा देश का सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि ब्रांड इंडिया का एक मजबूत निर्माता भी है।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने शुभ गणेश उत्सव सीजन के दौरान अनंत सूत्र (सुरक्षा) हासिल करने के लिए गोवा के लोगों की प्रशंसा की। उन्होंने गोवा में सभी पात्र लोगों के वैक्सीन की कम से कम एक खुराक लेने के लिए खुशी व्यक्त कि। उन्होंने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में यह एक अहम उपलब्धि है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत की अवधारणा के प्रतीक गोवा की हर उपलब्धि मुझे खुशी से भर देती है। साथ ही, श्री मोदी ने प्रमुख उपलब्धियों वाले इस दिन पर श्री मनोहर पर्रिकर की सेवाओं को याद किया।

श्री मोदी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में गोवा ने भारी बारिश, चक्रवात, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का बहादुरी के साथ सामना किया है। उन्होंने इन प्राकृतिक आपदाओं के बीच कोरोना टीकाकरण की गति बनाए रखने के लिए कोरोना योद्धाओं, स्वास्थ्य कर्मचारियों और टीम गोवा का अभिनंदन किया।

श्री मोदी ने सामाजिक और भौगोलिक चुनौतियों से निपटने के लिए गोवा द्वारा दिखाए गए समन्वय की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य के दूर-सुदूर में बसे केनाकोना सब डिवीजन में भी तेज गति से टीकाकरण ने बाकी राज्य के लिए एक उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि गोवा ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के अच्छे नतीजे प्रदर्शित किए हैं।

एक दिन में 2.5 करोड़ लोगों का टीकाकरण

श्री मोदी इस अवसर कुछ भावुक भी हो गए और उन्होंने कहा कि मैंने कई जन्मदिन देखे और मैं हमेशा ही इन बातों को लेकर अलिप्त रहा हूं, इन चीजों से दूर रहा हूं लेकिन मेरे जीवन में कल का दिन मुझे बहुत भावुक करने वाला था। देश और कोरोना योद्धाओं के प्रयासों ने कल के अवसर को ज्यादा खास बना दिया था।

उन्होंने 2.5 करोड़ लोगों के टीकाकरण के लिए टीम और लोगों द्वारा दिखाई गई करुणा, सेवा और कर्तव्य की भावना की प्रशंसा की। श्री मोदी कहा कि सभी ने पूरा सहयोग किया, लोगों ने इसे सेवा के साथ जोड़ा। यह उनकी करुणा और कर्तव्य ही था, जिसकी वजह से एक दिन में 2.5 करोड़ लोगों का टीकाकरण संभव हुआ है।

प्रधानमंत्री ने मेडिकल फील्ड के लोग, जो पिछले दो साल से जुटे हुए हैं, अपनी जान की परवाह किए बिना कोरोना से लड़ने में देशवासियों की मदद कर रहे हैं, के योगदान की सराहना की। श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने कल जिस तरह से टीकाकरण का रिकॉर्ड बनाकर दिखाया है, वह बहुत बड़ी बात है।

उन्होंने बताया कि हिमाचल, गोवा, चंडीगढ़ और लक्षद्वीप ने पात्र आबादी को पहली खुराक लगाने का कार्य पूरा कर लिया है। सिक्किम, अंडमान निकोबार, केरल, लद्दाख, उत्तराखंड और दादरा नगर हवेली अब ज्यादा पीछे नहीं हैं।

श्री मोदी ने कहा कि 'डबल इंजन की सरकार' गोवा के पर्यटन क्षेत्र को आकर्षक बनाने और राज्य के किसानों व मछुआरों को ज्यादा सुविधाएं देने प्रयासों को मजबूती दे रही है। मोपा ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे और 6 लेन के राजमार्ग को 12 हजार करोड़ रुपये के आवंटन के साथ अगले कुछ महीनों में उत्तरी और दक्षिणी गोवा को जोड़ने वाले जुआरी सेतु के उद्घाटन से राज्य में संपर्क में सुधार होगा।

श्री मोदी ने कहा कि गोवा ने अमृत काल में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए स्वयं पूर्ण गोवा का संकल्प लिया है और 50 से ज्यादा कम्पोनेंट का विनिर्माण शुरू कर दिया है। उन्होंने शौचालय कवरेज, 100 प्रतिशत विद्युतीकरण में गोवा की उपलब्धियों और 'हर घर जल' अभियान के लिए किए गए प्रयासों को रेखांकित किया। देश में 2 साल के भीतर 5 करोड़ घरों को नल जल से जोड़ दिया गया है और इस दिशा में गोवा के प्रयासों से राज्य की सुशासन और आसान रहन-सहन के लिए स्पष्ट प्राथमिकता का पता चलता है। ■

राजस्थान स्थित बाड़मेर में भारतीय वायुसेना के लिए आपातकालीन लैंडिंग सुविधा का शुभारंभ

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने संयुक्त रूप से नौ सितंबर, 2021 को राजस्थान के बाड़मेर के पास एनएच-925ए पर सट्टा-गंधव खंड पर भारतीय वायुसेना के लिए आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का शुभारंभ किया। दोनों मंत्रियों ने आपातकालीन लैंडिंग सुविधा पर कई विमानों के संचालन को देखा। सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान और आईएएफ के एएन-32 सैन्य परिवहन विमान और एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर ने भी ईएलएफ पर 'इमरजेंसी लैंडिंग' की।

यह पहली बार है जब भारतीय वायु सेना के विमानों की आपात लैंडिंग के लिए किसी राष्ट्रीय राजमार्ग का इस्तेमाल किया गया। यह लैंडिंग स्ट्रिप भारतीय वायुसेना के सभी प्रकार के विमानों की लैंडिंग की सुविधा प्रदान करने में सक्षम होगी। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि बाड़मेर के समान ही कुल 20 'इमरजेंसी लैंडिंग फील्ड' का देशभर में निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सड़क मंत्रालय के सहयोग से कई हेलीपैड भी बनाए जा रहे हैं। हमारे सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

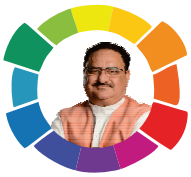

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 'संसद टीवी' का शुभारंभ करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू व लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला

नई दिल्ली स्थित रक्षा कार्यालय परिसर के उद्घाटन के बाद इसका दौरा करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, साथ में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह व अन्य

नई दिल्ली में डिजिटल माध्यम से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गोवा के स्वास्थ्यकर्मियों और कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लाभार्थियों से संवाद करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह